RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

वर्ष-9 अंक: 315 ता. 27 मई 2021, गुरुवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

पीएम मोदी बोले- कोरोना ने दुनिया को बदलकर रख दिया; इस मुश्किल वक्त में बुद्ध के आदर्शों पर चलना जरूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वेसाक ग्लोबल सेलिब्रेशन को वर्चुअली संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कोरोना महामारी पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने महामारी के दौरान अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कोरोना ने पूरी दुनिया को बदलकर रख दिया है। इस मुश्किल वक्त में बुद्ध के आदर्शों पर चलना जरूरी है। कोरोना के खिलाफ जंग में हमें बौद्ध संस्थाओं से सहयोग मिल रहा है।

1. कोरोना से पूरी दुनिया संकट में

कोरोना की वजह से पूरी दुनिया संकट में है। महामारी ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। भारत समेत कई देशों ने कोरोना की दूसरी लहर का सामना किया है। इस लड़ाई को साथ मिलकर ही जीता सकता है।

2. अब हमारे पास महामारी से लड़ने की अच्छी समझ

अब हमारे पास महामारी से लड़ने

की अच्छी समझ विकसित हो गई है। अब हमारे पास वैक्सीन भी है, जिससे यह लड़ाई और मजबूत हुई है। इस संकट के समय में हमारे हेल्थकेयर, फ्रंट लाइन वर्कर्स अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जानें बचा रहे हैं। डॉक्टर्स और नर्सों के योगदान को कोई भूला नहीं पाएगा।

3. हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व

महामारी के दौरान लाखों लोगों ने अपनों को खोया है। उनका दर्द हम सब समझ सकते हैं। मैं उनके परिजनों के प्रति शोक व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों पर भी गर्व है, जिन्होंने एक साल से भी कम समय में वैक्सीन बनाई, जिससे हम लोगों की जान बचाने में सफल हो पाए।

IBC की मदद से हुआ कार्यक्रम-यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में दुनिया भर के बौद्ध संघों के प्रमुख शामिल हुए। श्रीलंका और नेपाल के प्रधानमंत्री के अलावा दुनियाभर के 50 से ज्यादा बौद्ध धर्मगुरु भी समारोह से जुड़े।

श्रीलंका में वेसाक के नाम से मनाया जाता है पर्व

बुद्ध पूर्णिमा बौद्ध धर्म मानने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ा पर्व है। इस धर्म को मानने वाले ज्यादातर लोग चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और भारत में रहते हैं। वे इस दिन बोधि वृक्ष की पूजा करते हैं। श्रीलंका में इस दिन को वेसाक के नाम से मनाया जाता है।

बौद्ध धर्म के साथ हिंदुओं के लिए भी पवित्र है वैशाख पूर्णिमा

बुद्ध पूर्णिमा को वैशाख पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन गौतम बुद्ध की जयंती और निर्वाण दिवस है। माना जाता है कि इसी दिन भगवान बुद्ध को बुद्धत्व की प्राप्ति हुई थी। बौद्ध धर्म के अनुयायी इस दिन को उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं। सनातन धर्म के अनुसार बुद्ध, भगवान विष्णु के 9वें अवतार हैं, इसलिए हिन्दुओं के लिए भी यह दिन पवित्र माना जाता है।

'डोज नहीं है' कहकर 18+ की वैक्सीन रोकी; पर रोज बने 27 लाख डोज गए कहां?

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर बनती-बिगड़ती पॉलिसी ने अराजकता की स्थिति बना दी है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली समेत कुछ राज्यों में 18-44 वर्ष ग्रुप को वैक्सीन डोज देने पर फिलहाल रोक लग गई है। ऐसा नहीं है कि डोज बन नहीं रहे या लगा नहीं सकते, प्रोडक्शन भी बढ़ रहा है। पर जितने डोज बन रहे हैं, उतने डोज लग नहीं पा रहे। इससे सवाल उठ रहा है कि आखिर यह डोज जा कहां रहे हैं? डोज प्रोडक्शन की बात करें तो सरकार ने मई में ही सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश में रोज करीब 27 लाख डोज बन रहे हैं। पर प्रोडक्शन और डोज देने के आंकड़े मेल नहीं खा रहे। मई के 22 दिन में भारत में 3.6 करोड़ डोज लगे। यानी हर दिन करीब 16 लाख डोज। चिंता की बात यह है कि पिछले हफ्ते यानी 16 से 22 मई के बीच यह आंकड़ा घटकर 13 लाख डोज रोज हो गया। वह भी उस परिस्थिति में जब महाराष्ट्र ने 12 मई को 18-44 वर्ष ग्रुप को वैक्सीन डोज देने बंद कर दिए हैं। कर्नाटक ने भी रविवार को यह फैसला लिया और दिल्ली ने शनिवार को। अब पंजाब और छत्तीसगढ़ में भी 18-44 के वैक्सीनेशन को सस्पेंड करने की खबरें आ रही हैं। जब राज्यों को वैक्सीन के डोज नहीं मिल रहे हैं तो आखिर जा कहां रहे हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि अभी एक्सपोर्ट पूरी तरह बंद है।

कितने डोज भारत में रोज बन रहे हैं? केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया हर महीने कोवीशील्ड के 5 करोड़ डोज बना रही है। भारत बायोटेक भी कोवैक्सिन के 2 करोड़ डोज हर महीने बना रही है।

दोनों कंपनियों का एक्सपैन्शन प्लान भी दिया है। इसके अनुसार कोवीशील्ड के अप्रैल से ही हर महीने 6.5 करोड़ डोज बन रहे हैं और मई तक कोवैक्सिन के भी हर महीने 3 करोड़ डोज बनना शुरू हो जाएंगे।

फेसबुक और ट्विटर पर होगा एक्शन?

IT नियमों को मानने की डेडलाइन हुई खत्म तो क्या बोलीं ये कंपनियां?

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत केंद्र के नए दिशानिर्देशों का पालन न करने पर भारत में फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध की अटकलों के बीच, इन कंपनियों ने मंगलवार को जवाब दिया कि वे नए नियमों को लागू करने पर काम कर रहे हैं।

26 मई से बैन की अटकलें क्यों?

दरअसल केंद्र द्वारा नए नियमों को 25 फरवरी को अधिसूचित किया गया था और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को उन्हें लागू करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। ये समय 25 मई को समाप्त हो गया। इस समय सीमा को बढ़ाया भी नहीं गया। दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि कंपनियां नियमों का पालन करने में विफल रहती हैं, तो वे कार्रवाई का सामना कर सकती हैं।

क्या बोलीं कंपनियां?

गूगल के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने प्रभावी और निष्पक्ष तरीके से अवैध सामग्री से निपटने और परिचालन वाले जगहों पर स्थानीय नियमों का अनुपालन करने के लिये कदम उठाये हैं। इसके तहत उत्पाद में महत्वपूर्ण बदलाव के साथ संसाधनों और कर्मियों में लगातार निवेश किये गये हैं।

फेसबुक के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी परिचालन प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए काम कर रही है और इसका उद्देश्य आईटी नियमों के प्रावधानों का पालन करना है। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ने कहा कि वह कुछ मुद्दों पर स्पष्टता को लेकर सरकार के लगातार संपर्क में है। फेसबुक के पास फोटो साझा करने का मंच इंस्टाग्राम भी है। हालांकि, फेसबुक और गूगल दोनों ने मंगलवार तक अनुपालन के नए स्तर को पूरा करने के बारे में चीजें स्पष्ट नहीं की। हालांकि, मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फेसबुक ने स्वैच्छिक सत्यापन, अश्लील सामग्री को हटाने के लिए 24 घंटे की समयसीमा और समयबद्ध शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने के प्रावधान रखे हैं।वहीं नियमों को लेकर ट्विटर ने उसकी आधिकारिक स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

क्या हैं नए नियम?

-चूंकि इन सोशल मीडिया कंपनियों के हेडक्वार्टर भारत में नहीं हैं, इसलिए उन्हें एक चीफ कंप्लाइंस ऑफिसर, नोडल कांटेक्ट पर्सन और रेजीडेंट ग्रीवेंस ऑफिसर नियुक्त करना होगा।

टोल प्लाजा पर लगी वाहनों की 100 मीटर लंबी लाइन तो नहीं लगेगा टैक्स

10 सेकंड में टोल टैक्स वसूली के नए मानक तय

नई दिल्ली। टोल टैक्स का भुगतान करने के बावजूद टोल प्लाजा पर जाम में फंसने वाले करोड़ों सड़क यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। टोल प्लाजा पर यदि वाहनों की 100 मीटर लंबी लाइन लगती है तो उनसे टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। इसके लिए प्लाजा से 100 मीटर की दूरी पर सड़क पर एक पीली पट्टी का चिन्ह लगाया जाएगा। जब तक वाहनों की कतार इस पीली पट्टी तक रहेगी, तब तक सभी वाहन बगैर टोल टैक्स दिए टोल बैरियर पार करते रहेंगे। केंद्र सरकार ने प्लाजा की प्रत्येक टोल लेन पर 10 सेकंड में टोल टैक्स वसूलने के नए मानक तय कर दिए हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) महाप्रबंधक संजय कुमार पटेल ने 24 मई को टोल प्लाजा प्रबंधन नीति दिशा निर्देश 2021 जारी कर दिए हैं। एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी 570 टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रानिक टोल कलेक्शन सिस्टम (ईटीसी) लगाया जा चुका है और टोल प्लाजा की सभी टोल लेन पर फास्टैग के जरिए ऑनलाइन टैक्स अदायगी हो रही है। इसके बावजूद प्लाजा पर जाम और वाहनों की लंबी

कतार की शिकायतें मिल रही हैं। इसके लिए सरकार ने निर्माणाधीन अथवा प्रस्तावित टोल प्लाजा में नए नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके दूसरे चरण में मौजूदा टोल प्लाजा की टोल लेन में बदलाव के बाद यह व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा में 10 सेकंड के भीतर वाहन से टोल टैक्स लेने के नए मानक तय किए गए हैं। यानी नए डिजाइन के टोल प्लाजा की एक टोल लेन में एक घंटे में 400 वाहनों के गुजरने की क्षमता होगी। इसके लिए अधिक भूमि अधिग्रहण करने की जरूरत होगी। टोल प्लाजा पर वाहनों के दबाव के अनुसार टोल लेन की संख्या छह से लेकर 12 लेन तक हो सकती है। प्लाला की अंतिम लेन दो पहिया वाहनों के लिए होगी। इसके अलावा प्लाजा के पास पार्किंग, ओवर लोड ट्रकों को खड़ा करने की अतिरिक्त जगह होनी चाहिए।

जाम की समस्या नहीं होगी

सरकार के इस फैसले से टोल प्लाजा पर जाम की समस्या समाप्त होगी। इससे वाहनों की औसत रफ्तार 30-40 फीसदी तक बढ़ जाएगी। और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। खास बात यह है कि फास्टैग की तकनीक से सरकार को सालाना 10,300 करोड़ राजस्व बढ़ा है, जो ठेकेदारों की जेब में जाता था।

ओडिशा के भद्रक जिले के तट से टकराया साइक्लोन, कॉलोनियों में घुसा समुद्र का पानी

कोलकाता। यास तूफान बुधवार सुबह करीब 9 बजे ओडिशा के भद्रक जिले के तट से टकराया। यहां समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। कई कॉलोनियों में समुद्र का पानी भर गया है। 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने इसकी पुष्टि की है। तूफान के टकराते ही लैंडफॉल की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बंगाल और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा के चांदीपुर और बालासोर जिले के धमरा में तेज हवाओं के साथ बारिश जारी है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और दक्षिण 24 परगना में हवाएं चलने और बारिश होने का क्रम जारी है। बेहद खतरनाक हो चुका यह तूफान दोपहर में ओडिशा के पारादीप और सागर आइलैंड के बीच से गुजरेगा। चक्रवात के कारण 6 राज्यों बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक में भारी बारिश का अलर्ट है।

तूफान के लैंडफॉल होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

यास तूफान से प्रभावित हुए लोगों के लिए नौसेना का जहाज INS चिल्का में राहत सामग्री लेकर ओडिशा के खोरदा जिले पहुंचा।

तूफान से ओडिशा के चांदीपुर और अब्दुल कलाम आइलैंड पर DRDO की मिसाइल लॉन्चिंग साइट को नुकसान पहुंचने की आशंका है। लंबी दूरी की मिसाइल्स को यहीं से लॉन्च किया जाता है। 165 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और 2 मीटर से 4.5 मीटर तक लहरें उठ सकती हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा और हुगली में भी तूफान का असर दिख रहा है। कोलकाता में सेना के 9 बचाव दलों को तैनाती के लिए तैयार रखा गया है। इनके अलावा 17 दलों को पुरुलिया, झारग्राम, बीरभूम, बर्धमान, पश्चिम मिदनापुर, हावड़ा, हुगली, नादिया के साथ 24 परगना उत्तर और दक्षिण में तैनात किया गया है।

मॉडर्ना ने अपनी वैक्सीन को 12-17 वाले बच्चों पर प्रभावी बताया

नई दिल्ली। कोरोना वायरस कहर के बीच बच्चों के लिए वैक्सीन के स्तर पर एक खुशखबरी मिली है। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी मॉडर्ना ने मंगलवार को दावा किया कि उसका कोरोना रोधी टीका वयस्कों के साथ उन बच्चों पर भी प्रभावी है, जो 12 साल के हो चुके हैं। अमेरिका में यह टीका बच्चों को संक्रमण से दूर रखने का विकल्प बन सकता है। अध्ययन में पाया गया कि यह टीका पहली खुराक के दो हफ्तों बाद 93 प्रतिशत प्रभावी रहा। अमेरिका और कनाडा ने इस महीने की शुरुआत में फाइजर और बायोएनटेक के टीके को 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों को देने की मंजूरी दी थी। मॉडर्ना इस मंजूरी

के लिए कतार में है। इस दवा कंपनी ने कहा कि वह अगले महीने की शुरुआत में किशोरों से संबंधित अपने आंकड़ों को अमेरिकी खाद्य एवं औषध प्रशासन तथा अन्य वैश्विक नियामकों को सौंपेगा। कंपनी ने 12 से 17 वर्ष के 3700 बच्चों पर अध्ययन किया है।

बच्चों और वयस्कों पर एक जैसा असर-शुरुआती नतीजों में पता चला कि टीका वयस्कों की तरह ही किशोरों के प्रतिरोधक तंत्र की सुरक्षा पर काम करता है। टीकाकरण के बाद बांह में सूजन, सिरदर्द और थकान जैसे समान दुष्प्रभाव भी नजर आते हैं। अध्ययन में पाया गया कि मॉडर्ना टीके की दो खुराक लेने वालों में संक्रमण नहीं मिला, जबकि जिन बच्चों को डमी टीके लगाए गए थे, उनमें से चार संक्रमित मिले।

अमेरिका में 14 फीसदी संक्रमित बच्चे-वयस्कों की तुलना में बच्चों में कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार पड़ने का जोखिम काफी कम रहता है, लेकिन वे अमेरिका के कोरोना मामलों के 14 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के आंकड़ों के मुताबिक अकेले अमेरिका में कम के कम 316 बच्चों की मौत हो चुकी है।

छह महीने के बच्चों के लिए टीके का परीक्षण-फाइजर और मॉडर्ना दोनों ने 11 वर्ष से लेकर छह महीने तक के बच्चों के टीकाकरण का परीक्षण शुरू किया है। नियामक से मंजूरी मिलने के बाद अमेरिका में बड़ी संख्या में किशोर फाइजर का टीका लगवाने के लिये टीकाकरण केंद्र पहुंच रहे हैं। प्रयास यह है कि अगले शैक्षणिक सत्र से पहले अधिकाधिक किशोरों का टीकाकरण किया जा सके।

नारदा केस: जब सुप्रीम कोर्ट के सवालों में उलझ कर रह गई सीबीआई, जानें कैसे एजेंसी का दांव पड़ा उलटा?

नई दिल्ली। टीएमसी के नेताओं की नजरबंदी के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में सीबीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने इतने सवाल उठाए कि वह उनमें उलझ गई और अंततः याचिका वापस लेने में ही भलाई समझी। हालांकि, याचिका वापस लेने की सलाह भी सीबीआई को कोर्ट से ही मिली थी। कोर्ट के इस सवाल से सीबीआई बुरी तरह हिल गई कि उसने उन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके खिलाफ चार्जशीट दायर हो चुकी है, लेकिन जिनके खिलाफ चार्जशीट दायर नहीं हुई है, वे बाहर हैं। कोर्ट का इशारा हाल ही में भाजपा में शामिल टीएमसी नेताओं की तरफ था। कोर्ट ने कहा कि हमारे हिसाब से ये अभियुक्त गवाहों को प्रभावित करने की ज्यादा सुदृढ़ स्थिति में हैं।

आरोपी नजरबंदी के बावजूद सीबीआई की निगरानी में

जस्टिस विनीत शरण और बीआर गवई की पीठ ने कहा कि आरोपी नजरबंदी के बावजूद सीबीआई की निगरानी में हैं। पीठ ने पूछा कि वास्तव में सीबीआई की शिकायत क्या है। हम जानना चाहते हैं कि आप हमसे क्या चाहते हैं। जस्टिस गवई ने 17 मई को कलकत्ता उच्च न्यायालय की बैठक के संदर्भ में कहा कि हमने देखा है कि स्वतंत्रता से निपटाने के लिए विशेष पीठों को सौंपा गया है। लेकिन, यह पहली बार है जब एक विशेष पीठ को मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता वापस लेने के लिए सौंपा गया है। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि वह राज्य के मुख्यमंत्री या कानून मंत्री का समर्थन नहीं कर रही है और केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मुद्दे पर बात कर रही है। बेहतर होगा आप याचिका वापस लें। क्योंकि जब हम प्रतिवादियों (जिनमें राज्य सरकार भी शामिल है) को सुनेंगे तो हमें भी नहीं पता वे क्या क्या बोलेंगे।

मामला केवल जमानत के मुद्दे का नहीं

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह मामला केवल जमानत के मुद्दे का नहीं है। इसमें कानून के शासन से जुड़े बड़े मुद्दे शामिल हैं। एसजी ने कहा कि इस राज्य में ऐसा होता रहता है। मुख्यमंत्री आरोपी की मदद के लिए पुलिस थाने में घुस जाते हैं। कानून मंत्री सीबीआई जज के सामने बैठा रहता है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यदि ये तथ्य बेंच के विवेक को नहीं हिलाते हैं, तो उनके पास आगे कहने के लिए कुछ भी नहीं है। केंद्र सरकार के शीर्ष कानून अधिकारी ने मामले को शुक्रवार तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया। लेकिन, पीठ ने कहा कि आपके जल्द सुनवाई के आग्रह पर ही मामले की सुनवाई आज की जा रही है। आपने ही इसके लिए उल्लेख किया था। जस्टिस विनीत सरन ने कहा कि मैं 18 साल से जज हूं। सामान्यतया यदि पीठ के न्यायाधीशों में से एक का जमानत के मुद्दे पर भिन्न विचार होता है तो बड़ी पीठ के फैसले तक जमानत दी जाती है। जस्टिस गवई ने भी सीबीआई से पूछा कि उच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई के अवसर से क्यों वंचित किया जाए। आखिर पांच जजों की बेंच सुनवाई कर रही है। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल को याद दिलाया कि जहां तक संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण का सवाल है तो उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय एक ही पायदान पर हैं।

मुद्दा गुंडागर्दी के अभूतपूर्व कृत्यों का

एसजी ने जवाब दिया कि मैं केवल कानूनी रूप से जवाब देना चाहता हूं। एसजी ने फिर दोहराया कि मुद्दा सिर्फ जमानत का नहीं है बल्कि राज्य के मंत्रियों के कहने पर गुंडागर्दी के अभूतपूर्व कृत्यों का है। जस्टिस गवई ने कहा, हम नागरिकों की स्वतंत्रता के मुद्दे को राजनेताओं के अवैध कृत्यों के साथ नहीं मिलाना चाहते, हमें देखना होगा कि जमानत दी जा सकती है या नहीं। अन्य मुद्दों के संबंध में अन्य उपाय हैं। उससे आपको किसी ने नहीं रोका है। किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे पहले देखी जाती है। अन्य को प्रासंगिक कार्यवाही में देखा जाता है। बेंच ने सुझाव दिया कि सीबीआई सुप्रीम कोर्ट से मामले को वापस ले और कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष मुद्दों को उठाए।

–मानवता के सामने आने वाली अन्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने का भी किया आग्रह

पीएम मोदी ने की वैश्विक नेताओं से आतंकवाद को हराने के लिए साथ आने की अपील

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दुनिया के नेताओं से आतंक और हिंसा फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ाई में एक साथ आने की अपील की। वर्चुअल वेसाक ग्लोबल सेलिब्रेशन के अवसर पर भाषण में, मोदी ने कहा बुद्ध का जीवन शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व के बारे में था। आज की दुनिया में ऐसी ताकतें हैं जिनका अस्तित्व नफरत, आतंक और हिंसा फैलाने पर निर्भर है। मोदी ने कहा, ऐसी ताकतें उदार लोकतांत्रिक सिद्धांतों में विश्वास नहीं करती हैं। मानवता के विश्वासियों को एक साथ आना चाहिए, आतंकवाद को हराना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मानवता के सामने आने वाली अन्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा- हमें मानवता के सामने आने वाली अन्य चुनौतियों से नहीं चूकना चाहिए। पीएम ने कहा कि चुनौतियों में से एक जलवायु परिवर्तन है। मौसम का मिजाज बदल रहा है, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, नदियां और जंगल खतरे में हैं। कोविड पर, प्रधानमंत्री ने कहा, अब हमें महामारी की बेहतर समझ है जो लड़ने की हमारी रणनीति को मजबूत करती है। हमारे पास वैक्सीन है जो जीवन बचाने और महामारी को हराने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत को हमारे वैज्ञानिकों पर गर्व है जिन्होंने कोविड टीकों पर काम किया है। प्रधानमंत्री ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के लिए सम्मान का प्रदर्शन करते हुए कहा, एक बार फिर से हमारे फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, नर्सों को सलाम करते हैं जो निस्वार्थ रूप से दूसरों की सेवा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। यह उल्लेख करते हुए कि भारत पेरिस के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए, स्थायी जीवन केवल सही शब्दों के बारे में नहीं है, यह कार्यों के बारे में है।

लक्षद्वीप में बीफ बैन पर हंगामा, राहुल प्रियंका ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रशासित लक्षद्वीप में नए नियमन को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सागर में स्थित भारत के इस 'आभूषण' को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा वह लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़े हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया सत्ता में बैठे अज्ञानी कट्टरपंथी इसे नष्ट कर रहे हैं। मैं लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़ा हूं। दरअसल, लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल ने जब से बीफ पर बैन लगाने की घोषणा की है, तब से उनका विरोध शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि उसे तत्काल इन मसौदों को वापस लेना चाहिए और प्रफुल्ल खोड़ा पटेल को प्रशासक के पद से हटाना चाहिए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा था कि कांग्रेस इस मुद्दे पर लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़ी है। वह उनकी सांस्कृतिक परंपरा की रक्षा के लिए लड़ेगी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को चिट्ठी लिखकर लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल को वापस बुलाने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रपति से यह भी कहा है कि प्रफुल्ल पटेल के कार्यकाल में लिए गए सभी फैसलों को रद्द किया जाना चाहिए। मसौदा नियमनों के तहत लक्षद्वीप पशु संरक्षण का हवाला देते हुए बीफ उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही शराब के सेवन पर रोक हटाई गई है। इसके बाद से प्रशासक पटेल का विरोध शुरू हो गया है। उधर, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ए पी अब्दुल्लाकुट्टी ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता प्रशासक पटेल का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने द्वीपसमूह में नेताओं के 'भ्रष्ट चलन' को खत्म करने के लिए कुछ खास कदम उठाए हैं। अब्दुल्लाकुट्टी लक्षद्वीप में भाजपा के प्रभारी हैं।

चक्रवात के कारण एक करोड़ लोग प्रभावित, तीन लाख मकान क्षतिग्रस्त: ममता बनर्जी

-मुख्यमंत्री ने बताया कि 15,04,506 लोगों को संवेदनशील स्थानों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि चक्रवात 'यास' के कारण राज्य में कम से कम एक करोड़ लोग प्रभावित हुए और तीन लाख मकान क्षतिग्रस्त हुए। बुधवार को बनर्जी ने बताया कि मछलियां पकड़ने गए एक व्यक्ति की दुर्घटनावश मौत हो गई। बनर्जी ने लोगों को सचेत किया कि तूफान के कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठती रहेंगी। उन्होंने दावा किया कि बंगाल चक्रवात से 'सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 15,04,506 लोगों को संवेदनशील स्थानों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बनर्जी ने कहा, मैं पूर्व मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में प्रभावित इलाकों का जल्द ही हवाई सर्वेक्षण करूंगी। उन्होंने बताया कि अभी सरकार के पास चक्रवात के कारण हुए नुकसान संबंधी प्रारंभिक आंकड़े हैं। बनर्जी ने कहा कि नुकसान संबंधी सटीक जानकारी मिलने में कम से कम 72 घंटे लगेंगे। यास के बुधवार सुबह करीब नौ बजे तट पर टकराने के साथ ही उत्तरी ओडिशा एवं पड़ोसी पश्चिम बंगाल में भीषण चक्रवाती तूफान ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया जहां इस दौरान 130-140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

किसानों के अपमान से देश का हर नागरिक आक्रोशित : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के अहंकार के कारण हो रहे किसानों के अपमान से देश का हर नागरिक आक्रोशित है। अखिलेश ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ काला दिवस मना रहे किसानों का जिक्र करते हुए एक ट्वीट में कहा बहाकर अपना खून-पसीना जो दाने पहुंचाता घर-घर, काला दिवस मना रहा है, आज वह देश का हलधर। किसान एकता मोर्चा हैशटैग से किए गए इसी ट्वीट में अखिलेश ने कहा भाजपा सरकार के अहंकार के कारण आज देश में किसानों के साथ जो अपमानजनक व्यवहार हो रहा है उससे देश का हर नागरिक आक्रोशित है। हमारे हर निवाले पर किसानों का क़र्ज़ है। गौरतलब है कि विभिन्न संगठनों से जुड़े किसान नए कृषि कानूनों के खिलाफ अपने प्रदर्शन के छह माह पूरे होने पर बुधवार को काला दिवस मना रहे हैं। किसान पिछले साल नवंबर से नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों के विभिन्न 40 संगठनों को मिलाकर बनाए गए संयुक्त किसान मोर्चा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गतिरोध पर बातचीत शुरू करने का आग्रह करते हुए पत्र लिखा था।

अजित डोभाल के करीबी माने जाते हैं सीबीआई के नए चीफ सुबोध कुमार जायसवाल

नई दिल्ली।

नए सीबीआई निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का करीबी माना जाता है। जायसवाल के कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दिल्ली पुलिस का कमिश्नर बनने से इनकार कर दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने दिल्ली पुलिस का कमिश्नर बनने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि वह दिल्ली सरकार के साथ राजनीति में नहीं उलझना चाहते थे। दिल्ली आने से पहले ही उनके साथी मानते थे कि वह किसी बड़े रोल के लिए बने हैं। महाराष्ट्र काडर के सुबोध कुमार जायसवाल महाराष्ट्र के डीजीपी भी रह चुके हैं। जायसवाल को 2018 में मुंबई के पुलिस कमिश्नर की जिम्मेदारी दी गई थी। तब भी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अजित डोभाल से चर्चा के बाद ही उन्हें इस अहम पद के लिए चुना गया है। इसके बाद उन्हें डीजीपी की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि महाराष्ट्र की सत्ता में महाविकास अघाड़ी के आने के बाद से ही असहज महसूस कर रहे थे। इसी बीच उन्हें दिल्ली पुलिस के कमिश्नर पद का ऑफर दिया गया था, लेकिन उन्होंने सीआईएसएफ का डीजी बनना ज्यादा सही समझा था। सुबोध कुमार जायसवाल को पुलिस के अलावा खुफिया मामलों का भी अच्छा अनुभव है। वह आईबी में नौकरी के साथ ही करीब 9 सालों तक रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ में भी काम कर चुके हैं। उनके करीबी मानते हैं कि सीबीआई निदेशक के पद के लिए वह उपयुक्त हैं। उन्होंने अब्दुल करीम तेलगी के केस की भी जांच की थी, जिसे बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके अलावा भीमा कोरेगांव केस से भी वह जुड़े थे। जायसवाल ने उस दौर में एसपीजी में काम किया था, जब ग्रुप को पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी।

भगवान बुद्ध की 2565वीं जयंती पर सत सत नमन: अच्छेलाल पाल

संवाददाता जनार्दन गौड़

जौनपुर।

पाल एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अच्छेलाल पाल ने मनाया भगवान बुद्ध की 2565 वी जयंती। अच्छेलाल पाल ने कहा कि भगवान बुद्ध के पावन ज्ञान भूमि बोधगया में बौद्ध धर्मगुरु गुरुओं वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध की 2565वीं जयंती आज मनाया जा रहा है।

भगवान गौतम बुद्ध के 10 संदेश को बताया

1-पहला जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है ।अगर यह कर लिया तो फिर जीत हमेशा ही तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता ।

2-किसी भी हालत में इन तीन चीजों को कभी नहीं छुपाया जा सकता है और वह है सूर्य चंद्रमा और सत्य,।

3-जीवन में किसी उद्देश्य या लक्ष्य तक पहुंचने से अधिक महत्वपूर्ण उस यात्रा को अच्छे से संपन्न करना होता है।

4-बुराई को बुराई से खत्म नहीं किया जा सकता घृणा को केवल प्रेम द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है ,यह एक अटूट सत्य है ।

5- सत्य के मार्ग पर चलते हुए मनुष्य केवल दो ही गलतियां कर सकता है- पहली या तो पूरा रास्ता न तय करना दूसरी या फिर शुरुआत ही न करना।

6-भविष्य के बारे में मत सोचो और अतीत में मत उलझो, सिर्फ वर्तमान पर ध्यान दो ,जीवन में खुश रहने का यही एक सही मार्ग है।,

7- खुशियां हमेशा बांटने से बढ़ती है जैसे कि एक जलते हुए दीपक से हजारों दीपक रोशन किए जा सकते हैं फिर भी उस दीपक की रोशनी कम नहीं होती।

8- आप चाहे जितनी भी अच्छी किताबें पढ़ ले कितने भी अच्छे शब्द सुन ले ,मगर जब तक आप उनको अपने जीवन में नहीं अपनाते तब तक उसका कोई लाभ नहीं है।

9-हमेशा क्रोधित रहना ठीक उसी तरह है जैसे जलते हुए कोयले को किसी दूसरे पर फेंकने की इच्छा से खुद पकड़ कर रखना ,यह क्रोध सबसे पहले आपको ही जलाता है ।

10-क्रोधित होकर हजारों गलत शब्द बोलने से अच्छा मौन का वह एक शब्द है, जो जीवन में शांति लाता है।

9 माह की प्रेग्नेंट नर्स कर रही थी ड्यूटी, बच्ची को जन्म देकर कोरोना से चल बसी

-30 अप्रैल को प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें कवर्धा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था

कबीरधाम।

कोरोना संकट के इस दौर में कुछ लोग अपना घर परिवार छोड़कर दिन-रात मरीजों की सेवा कर रहे हैं और अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के ग्राम लिमो में एक नर्स जान की परवाह किए बिना दिन-रात मरीजों की सेवा करती रही। 9 महीने से गर्भवती होते हुए भी वह कोविड वार्ड में ड्यूटी कर रही थी लेकिन इस दौरान वह कोरोना की चपेट में आ गईं और एक बच्ची को जन्म देने के बाद उनकी कोरोना से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, दिवंगत नर्स प्रभा की पोस्टिंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरवार खुर्द के लोरमी जिला मुगेली में थी। जहां 9 माह से गर्भवती होते हुए भी वह कोविड वार्ड में ड्यूटी कर रही थीं। गर्भावस्था के दौरान वह ग्राम कापादाह में ही किराए का एक कमरा लेकर अकेली रहती थीं। वह वहीं से हॉस्पिटल में आना-जाना करती थीं। उनके पति भेजराज ने बताया कि प्रभा 9 माह की गर्भवती अवस्था में कोविड में ड्यूटी करती रहीं। 30 अप्रैल को प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें कवर्धा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उन्होंने सिजेरियन ऑपरेशन से एक बच्ची को जन्म दिया। हॉस्पिटल में रहते हुए उन्हें कई बार बुखार आया। डिस्चार्ज होने पर जब वह घर पहुंची तो बुखार के साथ खांसी शुरू हो गई। एंटीजन टेस्ट में रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उन्हें कवर्धा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऑक्सीजन लेवल कम होने पर उन्हें रायपुर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान 21 मई की रात उनकी मृत्यु हो गई। उनके पति भेजराज ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रभा को कहा कि छुट्टी ले लो लेकिन प्रभा गर्भवती होते हुए भी अपने कर्तव्य पर डटी रही।

मुसलमान जिगर का टुकड़ा है

कोरोना वैक्सीन लगाने के बाद अब सोशल मीडिया पर मत करना शेयर, कहीं पड़ न जाए महंगा

नई दिल्ली।

देश में एक तरफ कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर कोरोना को हराने के लिए सरकार वैक्सीनेशन पर जोर दे रही है। आमतौर पर देखा जा रहा है कि लोग वैक्सीन लगाने के बाद सोशल मीडिया पर सेल्फी शेयर कर रहे हैं और पोस्ट लिख रहे हैं। अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट सोशल मीडिया पर शेयर किया है, तो अब सावधान हो जाइए। सरकार ने वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट को सोशल मीडिया पर डालने को लेकर चेतावनी जारी की है। वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट का मतलब उस कागजात से है जो कोरोना की वैक्सीन दिए जाने के बाद दिया जाता है। यह हार्ड या सॉफ्ट दोनों कॉपी के रूप में हो सकता है। वैक्सीन लगाने के तुरंत बाद इसे मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है, और तत्काल लोग इसे शेयर भी कर देते है, लेकिन क्या आप जानते है कि साइबर सिक्योरिटी के लिहाज से यह सही नहीं है।दरअसल, साइबर दोस्त के ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया है, जिसमें लोगों को कोविड-19 वैक्सीन सर्टिफिकेट को ऑनलाइन शेयर न करने पर चेतावनी दी है। वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में नाम, उम्र और लिंग और अगले डोज की तारीख समेत कई जानकारियां शामिल होती हैं। पोस्ट में कहा गया कि इन जानकारियों का इस्तेमाल जालसाजी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में आपको इससे सावधान रहना चाहिए।

Cyber Dost गृह मंत्रालय द्वारा बनाया गया एक सेफ्टी और साइबर सिक्योरिटी जागरूकता साधन है। ट्वीट में शेयर की गई फोटो में लिखा है- '**Covid**-19 वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में व्यक्ति का नाम और अन्य पर्सनल डिटेल होती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने वैक्सीन सर्टिफिकेट को शेयर करने से बचना चाहिए, क्योंकि साइबर क्रिमिनल आपको धोखा देने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। इस सर्टिफिकेट को आप ऑनलाइन आरोग्य सेतु ऐप या फिर **CoWin** पोर्टल के जरिए डाउनलोड कर सकते हैं।

वैक्सीन सर्टिफिकेट डाउनलोड करने के लिए आपको आरोग्य सेतु ऐप में लॉग इन करना है। उसके बाद आपको **CoWin** सेक्शन पर जाना है। उसके बाद आपको यहां पर अपनी बेनिफियर्सी आईडी दर्ज करनी है। उसके बाद डाउनलोड करने के लिए गेट सर्टिफिकेट बटन पर टैप करना है। इसके अलावा **Cowin** वेबसाइट पर जाना है, यहां पर आपको बेनिफिशरी आईडी दर्ज करनी है। उसके बाद वैक्सीन सर्टिफिकेट डाउनलोड करने के लिए सर्च बटन पर क्लिक करना है।

संक्षिप्त समाचार

यौन शोषण के छह साल के पीड़ित का मुआवजा 6 लाख रुपये किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन शोषण के छह साल के पीड़ित को छह लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा देकर कहा कि व्यवस्था अपराध को नहीं पलट सकती लेकिन वह अपराधी को सजा देने के अलावा पीड़ित को वित्तीय मदद देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा या सशक्तिकरण मुहैया करा सकती है। उच्च न्यायालय ने पीड़ित लड़के को 50,000 रुपये का अंतरिम मुआवजा देने के निचली अदालत के आदेश को रद्द कर मुआवजा राशि छह लाख रुपये तक बढ़ाकर कहा कि पहले का मुआवजा बहुत कम था। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भम्भानी ने कहा कि पीड़ित को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाते हुए अदालत की कोशिश उतनी वित्तीय भरपाई करने की तो होनी चाहिए जितनी इस अपराध की क्षतिपूर्ति के लिए आवश्यक है। अदालत ने कहा कि बच्चा शारीरिक और मानसिक सदमे से गुजरा है और मन को भावनात्मक चोट पहुंची है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''चूंकि व्यवस्था घड़ी की सुइयों को पीछे नहीं ले जा सकती और न ही अपराध को 'बदल' सकती है,लेकिन अदालत अपराधी को सजा देने और पीड़ित को वित्तीय मुआवजा देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा तथा सशक्तिकरण की भावना पैदा करने का काम तो कर ही सकता है।'' छह साल के बच्चे से 2020 में उसके ही घर में उसके अंकल द्वारा कथित तौर पर यौन शोषण और कुकर्म किया गया। अदालत को बताया गया कि पीड़ित बच्चा बहुत ही गरीब परिवार से आता है और उसकी मां घरेलू सहायिका का काम करती है और पिता बीमार हैं, तथा परिवार की मासिक आमदनी करीब 6,000 रुपये है जिसमें चार सदस्यों को गुजारा करना होता है।

सोशल मीडिया संबंधी नियम सरकार के उत्तर कोरियाई रवैये को दिखाते हैं - कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सोशल मीडया पर रवैया नरेंद्र मोदी सरकार के उत्तर कोरियाई रवैये को दिखाते हैं। पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह दावा भी किया कि सरकार इन नियमों के जरिए सोशल मीडिया मंचों पर नियंत्रण स्थापित करना चाहती है जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया मंच अपनी लड़ाई लड़ेंगे। हम नागरिकों की तरफ से बात कर रहे हैं। ये जो नियम लागू हो रहे है, वो गंभीर हैं। सिंघवी ने आरोप लगाया, मोदी सरकार जिन नियमों को लागू कर रही है वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर उसके उत्तर कोरियाई रवैये को दिखाते हैं। यह सीबीआई, ईडी और चुनाव आयोग के साथ होता हुआ देखा गया है। सिंघवी ने दावा किया, इस सरकार की समझ सिर्फ यह है कि विरोध की हर आवाज राष्ट्र विरोधी है, प्रधानमंत्री और सरकार की निंदा या कार्टून अपराध है, ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा उठाने वाले जेल भेजना है। सरकार को विरोध स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा, स्वतंत्र आवाज जीवन और लोकतंत्र की ऑक्सीजन है। इस ऑक्सीजन को कम नहीं किया जा सकता है। ऐसा करना हमारी संस्कृति के भी विरुद्ध है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया, अब बहुत हो चुका। हम अपनी आजादी और स्वायत्तता पर आक्रमण के खिलाफ एक सुर में बोलेंगे। गौरतलब है कि नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम बुधवार (26 मई) से प्रभाव में आएंगे और इनकी घोषणा 25 फरवरी को की गयी थी। नए नियम के तहत ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे बड़े सोशल मीडिया मंचों को अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत होगी। इसमें मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल अधिकारी और शिकायत अधिकारी की नियुक्ति आदि शामिल हैं। प्रमुख सोशल मीडिया मंचों को नए नियमों के अनुपालन के लिये तीन महीने का समय दिया गया था। इस श्रेणी में उन मंचों को रखा जाता है, जिनके पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक है। फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने इन नियमों को लेकर सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है।

मायावती को लेकर कमेंट कर बुरे फंसे अभिनेता रणदीप हुड्डा

मुंबई। अक्सर सिलेब्रिटीज बिना सोचे-समझे ऐसी बातें बोलते हैं, जिसके लिए बाद में उन्हें माफी मांगनी पड़ती है। कुछ दिनों पहले हास्य कलाकार अबीश मैथ्यू ने अपने एक पुराने ट्वीट के लिए बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्षा मायावती से माफी मांगी थी। उस ट्वीट में मैथ्यू ने मायावती के बारे में अपमानजनक बातें लिखी थीं। अब एक वीडियो सामने आया है जिसमें बॉलिवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का नाम लेकर 'सेक्सिस्ट' और 'जातिवादी' मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में रणदीप हुड्डा सोशल मीडिया के बारे में बात कर रहे हैं। इसी बीच वह कहते हैं कि वह एक 'डर्टी जोक' सुनाएंगे। रणदीप कहते हैं, मिस मायावती 2 बच्चों के साथ गली में जा रही थीं। वहां खड़े एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, क्या ये दोनों बच्चे जुड़वां हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, नहीं, यह 4 साल का है और वह 8 साल का है। इसके बाद उस आदमी ने कहा, मुझे विश्वास नहीं होता कि कोई आदमी वहां दो बार भी जा सकता है। रणदीप का वीडियो आने के बाद लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है और वे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं। लोग इस वीडियो के सामने आने के बाद रणदीप हुड्डा से माफी मांगे जाने की भी डिमांड कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले साल 2012 में मायावती के ऊपर किए अपने एक ट्वीट के लिए कुछ दिनों पहले ही कमीडियन अबीश मैथ्यू ने माफी मांगी है। अपने ट्वीट में अबीश ने लिखा था, 'मायावती बेहद बदसूरत हैं... उनकी केवल मूर्तियां ही खड़ी हो सकती हैं।'

केजरीवाल ने बताया, दिल्ली को जल्द मिल सकती स्पूतनिक-वी वैक्सीन

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से लड़ाई के लिए जल्दी ही तीसरी वैक्सीन स्पूतनिक-वी की उपलब्धता भी बढ़ सकती है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी के मैन्युफैक्चरर्स ने टीकों की सप्लाई को लेकर सहमति जाहिर की है। हालांकि अभी टीकों की सप्लाई की मात्रा को लेकर फैसला नहीं हो सका है। इसके पहले मॉडर्ना और फाइजर जैसी विदेशी वैक्सीन कंपनियों ने सीधे राज्यों को सप्लाई करने से इनकार कर दिया था। दिल्ली के अलावा पंजाब को भी दोनों कंपनियों ने वैक्सीन की सप्लाई से इनकार कर दिया था।इस बीच केजरीवाल ने राजधानी में ब्लैक फंगस के मामले बढ़ने की बात भी कही है। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के 620 मामले सामने आए हैं, लेकिन इसके इलाज के लिए जरूरी एंफोटेरिसिन-बी इंजेक्शन की कमी है। केजरीवाल ने कहा कि स्पूतनिक-वी वैक्सीन के निर्माताओं से बात चल रही है। वे हमें वैक्सीन देने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी कितनी मात्रा में वैक्सीन मिल पाएगी, इस लेकर बात नहीं हो सकी है।

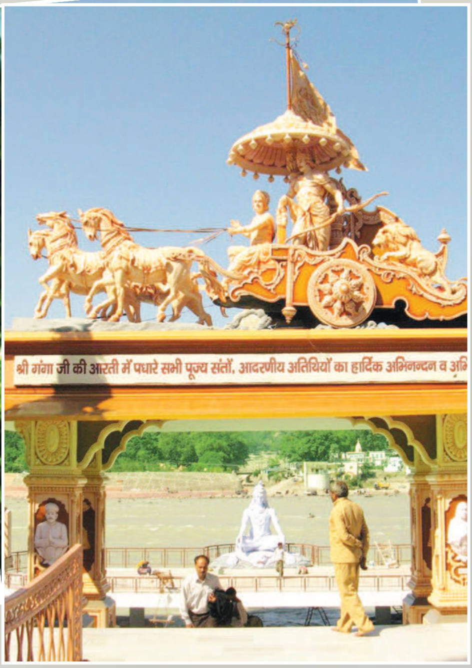

हिमालय का प्रवेशद्वार ऋषिकेश

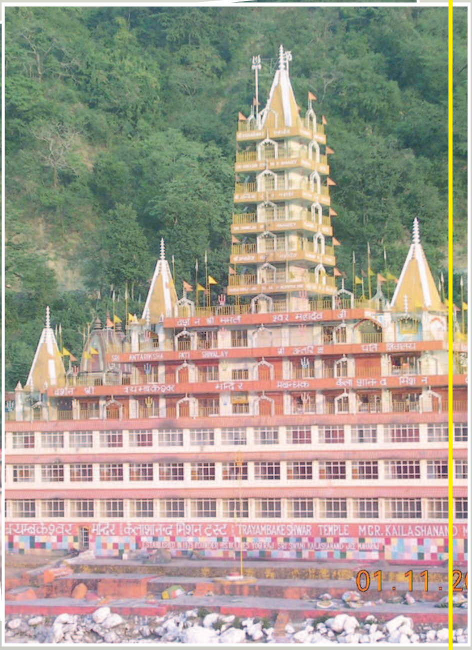

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रूति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है।

हिमालय का प्रवेश द्वार, ऋषिकेश जहां पहुंचकर गंगा पर्वतमालाओं को पीछे छोड़ समतल धरातल की तरफ आगे बढ़ जाती है। हरिद्वार से मात्र 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ऋषिकेश विश्व प्रसिद्ध एक योग केंद्र है। ऋषिकेश का शांत वातावरण कई विख्यात आश्रमों का घर है। उत्तराखण्ड में समुद्र तल से 1360 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऋषिकेश भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में एक है। हिमालय की निचली पहाड़ियों और प्राकृतिक सुन्दरता से घिरे इस धार्मिक स्थान से बहती गंगा नदी इसे अतुल्य बनाती है। ऋषिकेश को केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। कहा जाता है कि इस स्थान पर ध्यान लगाने से मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल यहां के आश्रमों के बड़ी संख्या में तीर्थयात्री ध्यान लगाने और मन की शान्ति के लिए आते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां आध्यात्मिक सुख की चाह में नियमित रूप से आते रहते हैं।

प्रचलित कथाएं

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है। 1939 ई. में लक्ष्मण झूले का पुनर्निर्माण किया गया। यह भी कहा जाता है कि ऋषि राभ्या ने यहां ईश्वर के दर्शन के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ऋषिकेश के अवतार में प्रकट हुए। तब से इस स्थान को ऋषिकेश नाम से जाना जाता है।

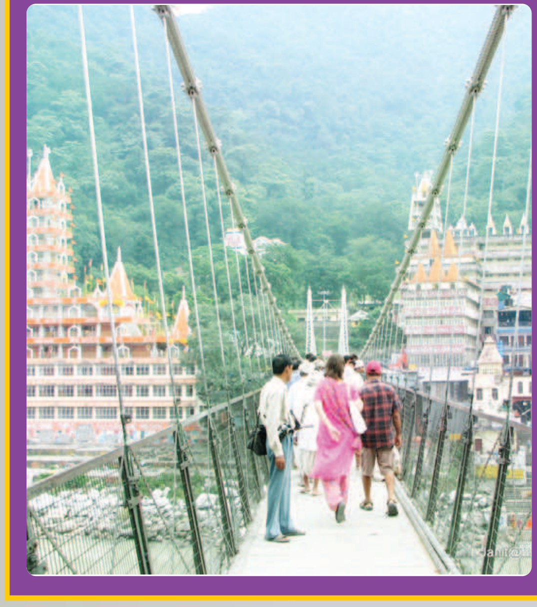

लक्ष्मण झूला

गंगा नदी के एक किनार को दूसरे किनारे से जोड़ता यह झूला शहर की खास पहचान है। इसे 1939 में बनवाया गया था। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मण ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुंचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लंबे इस झूले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मंदिर हैं। झूले पर खड़े होकर आसपास के खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। लक्ष्मण झूला के समान राम झूला भी नजदीक ही स्थित है। यह झूला शिवानंद और स्वर्ग आश्रम के बीच बना है। इसलिए इसे शिवानंद झूला के नाम से भी जाना जाता है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश में स्नान करने का यह प्रमुख घाट है जहां प्रातः काल में अनेक श्रद्धालु पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर हिन्दु धर्म की तीन प्रमुख नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इसी स्थान से गंगा नदी दायीं ओर मुड़ जाती है। शाम को होने वाली यहां की आरती का नजारा बेहद आकर्षक होता है।

राम झूला पुल

स्वामी विशुद्धानन्द द्वारा स्थापित यह आश्रम ऋषिकेश का सबसे प्राचीन आश्रम है। स्वामी जी को काली कमली वाले नाम से भी जाना जाता था। इस स्थान पर बहुत से सुन्दर मंदिर बने हुए हैं। यहां खाने पीने के अनेक रेस्तरां हैं जहां सिर्फ शाकाहारी भोजन ही परोसा जाता है। आश्रम की आसपास हस्तशिल्प के सामान की बहुत सी दुकानें हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर-

लगभग 5500 फीट की ऊंचाई पर स्वर्ग आश्रम की पहाड़ी की चोटी पर नीलकंठ महादेव मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मंथन से निकला विष ग्रहण किया गया था। विषपान के बाद विष के प्रभाव के से उनका गला नीला पड़ गया था और उन्हें नीलकंठ नाम से जाना गया था। मंदिर परिसर में पानी का एक झरना है जहां भक्तगण मंदिर के दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं।

भरत मंदिर-

यह ऋषिकेश का सबसे प्राचीन मंदिर है जिसे 12 शताब्दी में आदि गुरू शंकराचार्य ने बनवाया था। भगवान राम के छोटे भाई भरत को समर्पित यह मंदिर त्रिवेणी घाट के निकट ओल्ड टाउन में स्थित है। मंदिर का मूल रूप 1398 में तैमूर आक्रमण के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। हालांकि मंदिर की बहुत सी महत्वपूर्ण चीजों को उस हमले के बाद आज तक संरक्षित रखा गया है। मंदिर के अंदरूनी गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा एकल शालीग्राम पत्थर पर उकेरी गई है। आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा रखा गया श्रीयंत्र भी यहां देखा जा सकता है।

कैलाश निकेतन मंदिर-

लक्ष्मण झूले को पार करते ही कैलाश निकेतन मंदिर है। 12 खंड़ों में बना यह विशाल मंदिर ऋषिकेश के अन्य मंदिरों से भिन्न है। इस मंदिर में सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं।

वशिष्ठ गुफा-

ऋषिकेश से 22 किमी. की दूरी पर 3000 साल पुरानी वशिष्ठ गुफा बद्रीनाथ-केदारनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान पर बहुत से साधु विश्राम और ध्यान लगाए देखे जा सकते हैं। कहा जाता है यह स्थान भगवान राम और बहुत से राजाओं के पुरोहित वशिष्ठ का निवास स्थल था। वशिष्ठ गुफा में साधुओं को ध्यानमग्न मुद्रा में देखा जा सकता है। गुफा के भीतर एक शिवलिंग भी स्थापित है।

गीता भवन-

राम झूला पार करते ही गीता भवन है जिसे 1950 ई. में श्रीजयदयाल गोयन्काजी ने बनवाया गया था। यह अपनी दर्शनीय दीवारों के लिए प्रसिद्ध है। यहां रामायण और महाभारत के चित्रों से सजी दीवारें इस स्थान को आकर्षण बनाती हैं। यहां एक आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी और गीताप्रेस गोरखपुर की एक शाखा भी है। प्रवचन और कीर्तन मंदिर की नियमित क्रियाएं हैं। शाम को यहां भक्ति संगीत की आनंद लिया जा सकता है। तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए यहां सैकड़ों कमरे हैं।

कैसे जाएं

वायुमार्ग–

ऋषिकेश से 18 किमी. की दूरी पर देहरादून के निकट जौली ग्रान्ट एयरपोर्ट नजदीकी एयरपोर्ट है। इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइटें इस एयरपोर्ट को दिल्ली से जोड़ती है।

रेलमार्ग–

ऋषिकेश का नजदीकी रलवे स्टेशन ऋषिकेश है जो शहर से 5 किमी. दूर है। ऋषिकेश देश के प्रमुख रलवे स्टेशनों से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग

दिल्ली के कश्मीरी गेट से ऋषिकेश के लिए डीलक्स और निजी बसों की व्यवस्था है। राज्य परिवहन निगम की बसें नियमित रूप से दिल्ली और उत्तराखंड के अनेक शहरों से ऋषिकेश के लिए चलती हैं।

खरीददारी

ऋषिकेश में हस्तशिल्प का सामान अनेक छोटी दुकानों से खरीदा जा सकता है। यहां अनेक दुकानें हैं जहां से साड़ियों, बेड कवर, हैन्डलूम फेबरिक, कॉटन फेबरिक आदि की खरीददारी की जा सकती है। ऋषिकेश में सरकारी मान्यता प्राप्त हैन्डलूम शॉप, खादी भंडार, गढ़वाल वूल और क्राफ्ट की बहुत सी दुकानें हैं जहां से उच्चकोटि का सामान खरीदा जा सकता है।

संपादकीय

बेवजह का विवाद

किसी महामारी से जूझते हुए समाज में अगर चिकित्सकों को एक बेवजह के विवाद में उलझ जाना पड़े, तो इसे कोई अच्छा लक्षण नहीं माना जा सकता। योगगुरु रामदेव ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति को लेकर जो बयान दिए, और उनसे जो विवाद खड़ा हुआ है, वह ऐसा ही विवाद है। रामदेव के आरोपों का जवाब आधुनिक चिकित्सकों के तमाम संगठनों ने दिया और यह मांग की कि वह माफी मांगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने, जो खुद एक ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं, योगगुरु रामदेव से आग्रह किया और रामदेव ने अपने बयान पर खेद भी व्यक्त किया, लेकिन यह विवाद थमा नहीं है। इस वक्त अगर किसी पेशे के लोग सबसे ज्यादा खतरा उठा रहे हैं, तो वह डॉक्टर ही हैं, जो दिन में कई-कई घंटे कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे रहते हैं। देश भर से कई सौ डॉक्टरों की कोरोना से मौत की खबरें आई हैं, बल्कि दुनिया भर में इस महामारी से बहुत डॉक्टर जान गंवा चुके हैं। ऐसी स्थिति में उनके या उनके काम के बारें में विवादास्पद बातें करने से बचा जा सकता था; बचने की जरूरत है। ऐसी बातें करना न सिर्फ डॉक्टरों के मनोबल को गिराना है, बल्कि मरीजों के मन में भी इनसे संदेह पैदा होता है। भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का बहुत सम्मान है और उनके प्रति समाज में काफी गहरा विश्वास है। इसी वजह से भारत उन कुछ देशों में से एक है, जहां वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को भी मान्यता मिली हुई है। मगर यह भी सच है कि परंपरागत ज्ञान या अनुभव पर आधारित चिकित्सा पद्धतियों में बहुत कुछ मूल्यवान है, तो उनकी सीमाएं भी बहुत हैं, क्योंकि वे तब विकसित हुईं, जब सूक्ष्म जांच-परख के तरीके और उपकरण नहीं थे। आम तौर पर भारतीय जन इस बात को सहज रूप से जानता है, और यह समझता है कि कब उसे डॉक्टर या अस्पताल की शरण में जाने की जरूरत है। दूसरी तरफ, रामदेव जैसे योग व आयुर्वेद के प्रचारकों का प्रभाव भी समाज में काफी है, इसलिए जब वह सनसनीखेज दावे करते हैं या कोई आरोप लगाते हैं, तब उसका गलत असर हो सकता है। यह सही है कि कोरोना का अक्सीर इलाज आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में नहीं है, मगर चिकित्सा वैज्ञानिकों को यह भी मालूम है कि उनके ज्ञान की सीमा कहां है और वे उसके आगे बढ़ने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। कोरोना के मरीजों के इलाज में पिछले एक साल में बहुत तरक्की हुई है। दूसरे, कोरोना के गंभीर मरीजों को बचा सकने का जितना भी सामर्थ्य है, वह आधुनिक चिकित्सा में ही है। अगर किसी मरीज का ऑक्सीजन का स्तर एक हद से नीचे चला गया, तो वह किसी काढ़े या प्राणायाम से नहीं ठीक हो सकता, उसे ऑक्सीजन ही देना होगा। कोरोना एक ऐसी बीमारी है, जिसमें नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं, चाहे वे कोई भी इलाज करें या न करें। इसलिए इसके बारे में अवैज्ञानिक दावे करना आसान है। लेकिन हमें यह समझना जरूरी है कि सवाल किसी पद्धति या व्यक्ति-संस्था की प्रतिष्ठा का नहीं, लोगों की सेहत का है, इसलिए थोड़ा संयम बरतना ठीक होगा। फिर अतिरंजित दावों से आयुर्वेद या परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की विश्वसनीयता कम ही होती है। इसलिए अपनी सीमाओं को समझना सबके हित में है।

आज के ट्वीट

इलाज

बीमार पड़ने पर विधायक और सांसदों का इलाज उन्हीं के क्षेत्रों के अस्पतालों में होना चाहिए ताकि उन्हें जनता की परेशानी का पता चल सके !- अर्णव गोस्वामी

यास तूफान का कहर

प्रमोद भार्गव

तौकते चक्रवात का कहर अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान यास ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कहर ढाने का सिलसिला शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के चक्रवाती तूफान के संकट की भविष्यवाणी कर दी है। यह तूफान उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर जाएगा तथा 26 मई के आसपास पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओड़िशा से टकराएगा। केंद्र सरकार ने इसके मद्देनजर इन दोनों प्रांतों को चेतावनी देते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल की तैनातियां शुरू कर दी है। महाराष्ट्र और गुजरात में 'तौकते' तूफान के दौरान एनडीआरएफ के जो बल तैनात थे, उन्हें हवाई मार्ग से बंगाल और ओड़िशा भेजा जा रहा है। 110 किमी की रफ्तार से आने वाले इस तूफान का असर आंध्र-प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी पड़ सकता है। मछुआरों को इस दौरान समुद्र से बाहर निकल आने की सलाह दी गई है। तूफान के साथ तूफान प्रभावित क्षेत्रों में तेज बारिश भी होगी। जिसका आंशिक असर दिल्ली, राजस्थान, मध्य-प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी देखने में आएगा। मौसम विभाग की सटीक भविष्यवाणी और आपदा प्रबंधन के समन्वित प्रयासों के बावजूद तूफान तौकते अपना भीषण असर दिखाकर आगे बढ़ गया और अब इसके पीछे-पीछे यास ने दस्तक दे दी। इसके पहले इन दोनों राज्यों के इसी इलाके में बुलबुल और फैनी चक्रवातों ने 2019 में तबाही मचाई थी। भारतीय मौसम विभाग के अनुमान अकसर सही साबित नहीं होते, इसलिए उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। किंतु अब समझ आ रहा है कि मौसम विभाग आपदा का सटीक अनुमान लगाकर समाज और प्रशासन को आपदा से जूझने की पूर्व तैयारियों में लगाने में समर्थ हो गया है। अन्यथा मध्य मई में आए तूफान तौकते का असर तमिलनाडू, महाराष्ट्र और गुजरात में कहीं ज्यादा देखने में आता। चेतावनी मिलने के साथ ही शासन-प्रशासन और समाज ने जागरूकता व संवेदनशीलता बरतते हुए जान-माल की ज्यादा हानि नहीं होने दी। फेलिन, हुदहुद, तितली, बुलबुल और फैनी चक्रवात से जुड़ी भविष्यवाणियां भी सटीक बैठी थीं। दरअसल जलवायु परिवर्तन और आधुनिक विकास के कारण देश ही नहीं दुनिया आपदाओं की आशंकाओं से घिरी हुई है। ऐसे में आपदा प्रबंधन की क्षमताओं और संसाधनों को हमेशा सचेत रहने की जरूरत है। उत्तरी हिंद महासागर में आने वाले तूफानों के लिए नाम पहले ही निश्चित कर लिए गए हैं। तौकते का अर्थ छिपकली था, वहीं यास का नामाकरण ओमान ने वहां की स्थानीय बोली के आधार पर रखा है, जिसका अर्थ 'निराशा' होता है। अम्फान नाम थाइलैंड ने दिया था। इसका अर्थ थाई भाषा में आसमान होता है। हमारे मौसम विज्ञानी सुपर कंप्युटर और डापलर राडार जैसी श्रेष्ठतम तकनीक के माध्यमों से चक्रवात के अनुमानित और वास्तविक रास्ते का मानचित्र एवं उसके भिन्न क्षेत्रों में प्रभाव के चित्र बनाने में भी सफल रहे हैं। तूफान की तीव्रता, हवा की गति और बारिश के अनुमान भी कमोबेश सही साबित हुए। इन अनुमानों को और कारगर बनाने की जरुरत है, जिससे बाढ़, सूखे, भूकंप, आंधी और बवंडरों की पूर्व सूचनाएं मिल सकें और इनसे सामना किया जा सके। साथ ही मौसम विभाग को ऐसी निगरानी प्रणालियां भी विकसित करने की जरूरत है, जिनके मार्फत हर माह और हफ्ते में बरसात होने की राज्य व जिलेबार भविष्यवाणियां की जा सकें। यदि ऐसा मुमकिन हो पाता है तो कृषि का बेहतर नियोजन संभव हो सकेगा। साथ ही अतिवृष्टि या अनावृष्टि के संभावित परिणामों से कारगर ढंग से निपटा जा सकेगा। किसान भी बारिश के अनुपात में फसलें बोने लग जाएंगे। लिहाजा कम या ज्यादा बारिश का नुकसान उठाने से किसान मुक्त हो जाएंगे। मौसम संबंधी उपकरणों के गुणवत्ता व दूरंदेशी होने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से समुद्रतटीय इलाकों में आबादी भी ज्यादा है और वे आजीविका के लिए समुद्री जीवों पर निर्भर हैं। लिहाजा समुद्री तूफानों का सबसे ज्यादा संकट इसी आबादी को झेलना पड़ता है। इस चक्रवात की सटीक भविष्यवाणी करने में निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट कमोबेश नाकाम रही है। 1999 में जब ओडिशा में नीलम तूफान आया था तो हजारों लोग सटीक भविष्यवाणी न होने और आपदा प्रबंधन की कमी के चलते मारे गए थे। 12 अक्टूबर 2013 को उष्णकटिबंधीय चक्रवात फैलिन ने ओडिशा तट पर दस्तक दी थी। अंडमान सागर में कम दबाव के क्षेत्र के रूप में उत्पन्न हुए नीलम ने 9 अक्टूबर को उत्तरी अंडमान-निकोबार द्वीप समूह पार करते ही एक चक्रवाती तूफान का रूप ले लिया था। इसने सबसे ज्यादा नुकसान ओडिशा और आंध्र प्रदेश में किया था। इस चक्रवात की भीषणता को देखते हुए 6 लाख लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएं गए थे। तूफान का केंद्र रहे गोपालपुर से तूफानी हवाएं 220 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरी थीं। 2004 में आए सुनामी तूफान का असर सबसे ज्यादा इन्हीं इलाकों में देखा गया था। हालांकि हिंद महासागर से उठे इस तूफान से 14 देश प्रभावित हुए थे। तमिलनाडू में भी इसका असर देखने में आया था। इससे मरने वालों की संख्या करीब 2 लाख 30 हजार थी। भारत के इतिहास में इसे एक बड़ी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाता है। 8 और 12 अक्टूबर 2014 में आंध्र एवं ओडिशा में हुदहुद तूफान में भी भयंकर कहर बरपाया था। इसकी दस्तक से इन दोनों राज्यों के लोग सहम गए थे। भारतीय नौसेना एनडीआरएफ ने करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाकर उनके प्राणों की रक्षा की थी। इसलिए इसकी चपेट से केवल छह लोगों की ही मौतें हुई थीं। हालांकि आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा तबाही 1839 में आए कोरिंगा तूफान ने मचाई थी। गोदावरी जिले के कोरिंगा घाट पर समुद्र की 40 फीट ऊंचीं उठी लहरों ने करीब 3 लाख लोगों को निगल लिया था। समुद्र में खड़े 20,000 जहाज कहां विलीन हुए पता ही नहीं चला। 1789 में कोरिंगा से एक और समुद्री तूफान टकराया था, जिसमें लगभग 20,000 लोग मारे गए थे। कुदरत के रहस्यों की ज्यादातर जानकारी अभी अधूरी है। जाहिर है, चक्रवात जैसी आपदाओं को हम रोक नहीं सकते, लेकिन उनका सामना या उनके असर को कम करने की दिशा में बहुत कुछ कर सकते हैं। भारत के तमाम इलाके बाढ़, सूखा, भूकंप और तूफानों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण के कारण ये खतरे और इनकी आवृत्ति लगातार बढ़ रही है। कहा भी जा रहा है कि फेलिन, ठाणे, आइला, आईरिन, नीलम सैंडी, अम्फान और तौकते जैसी आपदाएं प्रकृति की बजाय आधुनिक मनुष्य और उसकी प्रकृति विरोधी विकास नीति का पर्याय हैं। उत्तराखंड में तो आधुनिक विकास तबाही की तस्वीर लगातार देखने में आ रही है। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में भूस्खलन और नदियों में बाढ़ एक सिलसिला बनकर कहर बरपा रही हैं। गौरतलब है कि 2005 में कैटरीना तूफान के समय अमेरिकी मौसम विभाग ने इस प्रकार के प्रलयंकारी समुद्री तूफान 2080 तक आने की आशंका जताई थी, लेकिन वह सैंडी और नीलम तूफानों के रूप में 2012 में ही आ धमके। 19 साल पहले ओड़िशा में सुनामी से फूटी तबाही के बाद पर्यावरणविदों ने यह तथ्य रेखांकित किया था कि अगर मैग्रोंव वन बचे रहते तो तबाही कम होती। ओड़िशा के तटवर्ती शहर जगतसिंहपुर में एक औद्योगिक परियोजना खड़ी करने के लिए एक लाख 70 हजार से भी ज्यादा मैंग्रोव वृक्ष काट डाले गए थे। दरअसल, जंगल एवं पहाड़ प्राणी जगत के लिए सुरक्षा कवच हैं, इनके विनाश को यदि नीतियों में बदलाव करके नहीं रोका गया तो तय है कि आपदाओं के सिलसिलों को भी रोक पाना मुश्किल होगा ? लिहाजा नदियों के किनारे आवासीय बस्तियों पर रोक और समुद्र तटीय इलाकों में मैंग्रोव के जंगलों का सरंक्षण जरूरी है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

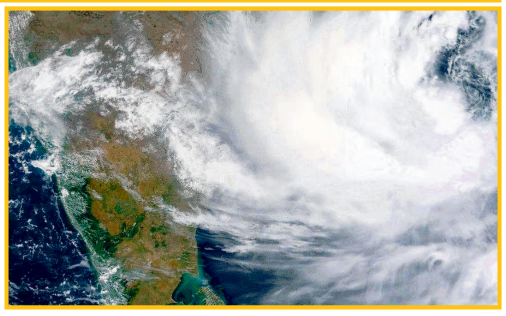

ज्ञान गंगा

संघर्ष

आचार्य रजनीश ओशो

मैंने एक बहुत पुरानी कहानी सुनी है। यह यकीनन बहुत पुरानी होगी क्योंकि उन दिनों ईश्वर पृथ्वी पर रहता था। धीरे-धीरे वह मनुष्यों से उकता गया क्योंकि वे उसे बहुत सताते थे। कोई आधी रात को द्वार खटखटाता और कहता, 'तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? मैंने जो चाहा था वह पूरा क्यों नहीं हुआ?' सभी ईश्वर को बताते थे कि उसे क्या करना चाहिए। हर व्यक्ति प्रार्थना कर रहा था और उनकी प्रार्थनाएं विरोधाभासी थीं। कोई आकर कहता, 'आज धूप निकलनी चाहिए क्योंकि मुझे कपड़े धोने हैं।' कोई और कहता, 'आज बारिश होनी चाहिए क्योंकि मुझे पौधे रोपने हैं।' अब ईश्वर क्या करे? यह सब उसे बहुत उलझा रहा था। वह पृथ्वी से चला जाना चाहता था। उसके अपने अस्तित्व के लिए यह जरूरी हो गया था। वह अदृश्य हो जाना चाहता था। एक दिन एक बूढ़ा किसान ईश्वर के पास आया और बोला, 'देखिए, आप भगवान होंगे और आपने ही यह दुनिया भी बनाई होगी लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि आप सब कुछ नहीं जानते- आप किसान नहीं हो और आपको खेतीबाड़ी का क-ख-ग भी नहीं पता और मेरे पूरे जीवन के अनुभव का निचोड़ यह कहता है कि आपकी रची प्रकृति और इसके काम करने का तरीका बहुत खराब है। आपको अभी सीखने की जरूरत है।' ईश्वर ने कहा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' किसान ने कहा, 'आप मुझे एक साल का समय दो और सब चीजें मेरे मुताबिक होने दो, और देखो कि मैं क्या करता हूं। मैं दुनिया से गरीबी का नामोनिशान मिटा दूंगा!' ईश्वर ने किसान को एक साल की अवधि दे दी। अब सब कुछ किसान की इच्छा के अनुसार हो रहा था। यह स्वाभाविक है कि किसान ने उन्हीं चीजों की कामना की जो उसके लिए ही उपयुक्त होतीं। उसने तूफान, तेज हवाओं और फसल को नुकसान पहुंचाने वाले हर खतरे को रोक दिया। सब उसकी इच्छा के अनुसार बहुत आरामदायक और शांत वातावरण में घटित हो रहा था और किसान बहुत खुश था। गेहूं की बालियां पहले कभी इतनी ऊंची नहीं हुई! कहीं किसी अप्रिय के होने का खटका नहीं था। उसने जैसा चाहा, वैसा हुआ। उसे जब धूप की जरूरत हुई तो सूरज चमका दिया; तब बारिश की जरूरत हुई तो बादल उतने ही बरसाए जितने फसल को भाए। पुराने जमाने में तो बारिश कभी हद से ज्यादा हो जाती थी और नदियां उफनने लगतीं थीं, फसल बरबाद हो जाती थी। कभी पर्याप्त बारिश नहीं होती तो धरती सूखी रह जाती।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

लोकमंगल के संचारकर्ता हैं नारद

नारद जयंती (27 मई) पर विशेष/ प्रो. संजय द्विवदी

ब्रम्हर्षि नारद लोकमंगल के लिए संचार करने वाले देवता के रूप में हमारे सभी पौराणिक ग्रंथों में एक अनिवार्य उपस्थिति हैं। वे तीनों लोकों में भ्रमण करते हुए जो कुछ करते और कहते हैं, वह इतिहास में दर्ज है। इसी के साथ उनकी गंभीर प्रस्तुति 'नारद भक्ति सूक्ति' में प्रकट होती है, जिसकी व्याख्या अनेक आधुनिक विद्वानों ने भी की है। नारद जी की लोकछवि जैसी बनी और बनाई गई है, वे उससे सर्वथा अलग हैं। उनकी लोकछवि झगड़ा लगाने या कलह पैदा करने वाले व्यक्ति कि है, जबकि हम ध्यान से देखें तो उनके प्रत्येक संवाद में लोकमंगल की भावना ही है। भगवान के दूत के रूप में उनकी आवाजाही और उनके कार्य हमें बताते हैं कि वे निरर्थक संवाद नहीं करते। वे निरर्थक प्रवास भी नहीं करते। उनके समस्त प्रवास और संवाद सायास हैं। सकारण हैं। उद्देश्य की स्पष्टता और लक्ष्यनिष्ठा के वे सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। हम देखते हैं कि वे देवताओं के साथ राक्षसों और समाज के सब वर्गों से संवाद रखते हैं। सब उनपर विश्वास भी करते हैं। देवताओं, मनुष्यों और राक्षसों के बीच ऐसा समान आदर तो देवाधिदेव इंद्र को भी दुर्लभ है। वे सबके सलाहकार, मित्र, आचार्य और मार्गदर्शक हैं। वे कालातीत हैं। सभी युगों और सभी लोकों में समान भाव से भ्रमण करने वाले। ईश्वर के विषय में जब वे हमें बताते हैं, तो उनका दार्शनिक व्यक्तित्व भी हमारे सामने प्रकट हो जाता है। पुराणों में नारद जी को भागवत संवाददाता की तरह देखा गया है। हम यह भी जानते हैं कि वाल्मीकि जी ने रामायण और महर्षि व्यास ने श्रीमद्भागवत गीता का सृजन नारद जी प्रेरणा से ही किया था। नारद अप्रतिम संगीतकार हैं। उन्होंने गंधर्वों से संगीत सीखकर खुद को सिद्ध किया, नारद संहिता ग्रंथ की रचना की। नारद ने कठोर तपस्या कर भगवान विष्णु से संगीत का वरदान लिया। सबसे खास बात यह है कि वे महान ऋषि परंपरा से आते हैं, किंतु कोई आश्रम नहीं बनाते, कोई मठ नहीं बनाते। वे सतत प्रवास पर रहते हैं ,उनकी हर यात्रा उदेश्यपरक है। एक सबसे बड़ा उद्देश्य तो निरंतर संपर्क और संवाद है,साथ ही वे जो कुछ वहां कहते हैं, उससे लोकमंगल की एक यात्रा प्रारंभ होती है। उनसे सतत संवाद,सतत प्रवास, सतत संपर्क, लोकमंगल के लिए संचार करने की सीख ग्रहण की जा सकती है। भारत के प्रथम हिंदी समाचार-पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के लिए संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारद जयंती (30 मई, 1826 / ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया) की तिथि का ही चुनाव किया था। हिंदी पत्रकारिता की आधारशिला रखने वाले पंडित जुगलकिशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रथम अंक के प्रथम पृष्ठ पर आनंद व्यक्त करते हुए लिखा कि आद्य पत्रकार देवर्षि नारद की जयंती के शुभ अवसर पर यह पत्रिका प्रारंभ होने जा रही है। इससे पता चलता है परंपरा में नारद जी की जगह क्या है।इसी तरह एक अन्य उदाहरण है। नारद जी को संकटों का समाधान संवाद और संचार से करने में महारत हासिल है। आज के दौर में उनकी यह शैली विश्व स्वीकृत है। समूचा विश्व मानने लगा है कि युद्ध अंतिम विकल्प है। किंतु संवाद शास्वत विकल्प है। कोई भी ऐसा विवाद नहीं है, जो बातचीत से हल न किया जा सके। इन अर्थों में नारद सर्वश्रेष्ठ लोक संचारक हैं। सबसे बड़ी बात है नारद का स्वयं का कोई हित नहीं था। इसलिए उनका समूचा संचार लोकहित के लिए है। नारद भक्ति सूत्र में 84 सूत्र हैं। ये भक्ति सूत्र जीवन को एक नई दिशा देने की सार्मथ्य रखते हैं। इन सूत्रों को प्रकट ध्येय तो ईश्वर की प्राप्ति ही है, किंतु अगर हम इनका विश्लेषण करें तो पता चलता है इसमें आज की मीडिया और मीडिया साथियों के लिए भी

उचित दिशाबोध कराया गया है। नारद भक्ति सूत्रों पर ओशो रजनीश, भक्ति वेदांत,स्वामी प्रभुपाद, स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि, गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर, श्री भूपेंद्र भाई पंड्या, श्री रामावतार विद्याभास्कर,स्वामी अनुभवानंद, हनुमान प्रसाद पोद्दार,स्वामी चिन्मयानंद जैसे अनेक विद्वानों ने टीकाएं की हैं। जिससे उनके दर्शन के बारे में विस्तृत समझ पैदा होती है। पत्रकारिता की दृष्टि से कई विद्वानों ने नारद जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का आकलन करते हुए लेखन किया है। हालांकि उनके संचारक व्यक्तित्व का समग्र मूल्यांकन होना शेष है। क्योंकि उनपर लिखी गयी ज्यादातर पुस्तकें उनके आध्यात्मिक और दार्शनिक पक्ष पर केंद्रित हैं। काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता के आचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने 'आदि पत्रकार नारद का संचार दर्शन' शीर्षक से एक पुस्तक लिखी है। संचार के विद्वान और हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो. बृजकिशोर कुठियाला मानते हैं, नारदजी सिर्फ संचार के ही नहीं, सुशासन के मंत्रदाता भी हैं। वे कहते हैं-卐व्यास ने नारद के मुख से युधिष्ठिर से जो प्रश्न करवाये उनमें से हर एक अपने आप में सुशासन का एक व्यावहारिक सिद्धांत है। 123 से अधिक प्रश्नों को व्यास ने बिना किसी विराम के पूछवाया। कौतुहल का विषय यह भी है कि युधिष्ठिर ने इन प्रश्नों का उत्तर एक-एक करके नहीं दिया परंतु कुल मिलाकर यह कहा कि वे ऋषि नारद के उपदेशों के अनुसार ही कार्य करते आ रहे हैं और यह आश्वासन भी दिया कि वह इसी मार्गदर्शन के अनुसार भविष्य में भी कार्य करेंगे। एक सुंदर दुनिया बनाने के लिए सार्वजनिक संवाद में शुचिता और मूल्यबोध की चेतना आवश्यक है। इससे ही हमारा संवाद लोकहित केंद्रित बनेगा। नारद जयंती के अवसर नारद जी के भक्ति सूत्रों के आधार पर आध्यात्मिकता के घरातल पर पत्रकारिता खड़ी हो और समाज के संकटों के हल खोजे, इसी में उसकी सार्थकता है।

(लेखक, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं।)

चना सेहत के लिए फायदेमंद है

चना खाने के नौ कारण

चना हमारे शरीर में प्रोटीन की आपूर्ति करता है। इसलिए इसे प्रोटीन का राजा भी कहा जा सकता है। यहां दिये चने के फायदों को जानकर आप खुद को इसे खाने से नहीं रोक पायेगें।

चना खाने के कारण

चाहे भूना हुआ हो या अंकुरित किया हुआ, चना बहुत ही पौष्टिक होता है। चने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, नमी, चिकनाई, रेशे, कैल्शियम, आयरन और विटामिन होते हैं। चना हमारे शरीर में प्रोटीन की आपूर्ति करता है। इसलिए इसे प्रोटीन का राजा भी कहा जा सकता है। आइए चने खाने से होने के कुछ विशेष फायदों के बारे में..

प्रोटीन से भरपूर

चने में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। चने में लगभग 12 से 15 ग्राम प्रोटीन होता है। यह अनाज के मुकाबले कई गुना ज्यादा होता है। इससे शरीर चुस्त दुरुस्त बना रहता है।

मैगनीज का भंडार

खून के लगातार बहाव में कॉपर और मैगनीज जैसे माइक्रोन्यूट्रियंट्स का होना बहुत जरुरी है। चना मैगनीज का बहुत अच्छा स्रोत है। इसे खाने से शरीर का तापमान सही बना रहता है।

एनीमिया से बचाव

चना आयरन का एक बहुत अचे छा स्रोत है। इसके नियमित सेवन से अनीमिया की परेशानी नहीं होती। इसलिए एनीमिया के उच्च जोखिम के दौरान महिलाओं (गर्भवती, स्तनपान कराने वाली और मासिक धर्म), बच्चों और लोगों को एक दैनिक आधार में इसे शामिल करना चाहिए।

वजन घटाता है

फाइबर से भरपूर होने के कारण यह वजन घटाने का एक प्रभावी प्राकृतिक उपाय है। यह न केवल भूख को नियंत्रित करने में मददगार होता है बल्कि लंबे समय तक आपको फुलर महसूस करवाता है। यह शाकाहारियों के लिए आहार प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है और यह भी उचित वजन प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

फॉस्फोरस और आयरन का स्रोत

चने में लगभग 28 प्रतिशत फॉस्फोरस और आयरन होता है। यह न केवल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं बल्कि हीमोग्लोबीन बढा कर किडनी को नमक की अधिकता से भी साफ करते हैं। इसलिए किडनी के स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए इसे अपने आहार में शामिल करना फायदेमंद होता है।

कोलेस्ट्रॉल घटाये

चना कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी आपकी मदद करता है। यह आंत में पित्त रस के साथ मिल कर खून में बढे हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

रक्तचाप पर नियंत्रण

उच्च रक्तचाप से ग्रस्त लोगों की रक्त वाहिकाओं में परिवर्तन कर चना रक्त ताकत को प्रतिसंहरण होने से बचाता है। चने पोटेशियम और मैगे नीशियम की मौजूदगी के कारण एक काया में सही इलेक्ट्रोलाइट परिवर्तन प्रगति में मदद करता है। इस तरह से चने को दैनिक आहार में शमिल कर आपको स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिल सकती है।

पाचन विकार से बचाता है

चना पाचन और आंत के स्वास्थ्य को ठीक रख पाचन तंत्र संबंधी विकारों को दूर करने में मदद करता है। चने में फीटो-न्यूट्रिएंट, उच्च प्रोटीन और विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होता है। जो कब्ज, एसिडिटी, अपच जैसे आंत्र जटिलताओं के खतरे को कम करने में मदद करता है।

महिलाओं में हार्मोन का स्तर बनाये

चना फीटो-न्यूट्रीएंट का बहुत अच्छा स्रोत है। यह स्तन कैंसर के खतरे को कम करने में मदद करता है। और एस्ट्रोजन हार्मोन में खून के स्तर को बढ़ा कर विपरीत ऑस्टियोपोरोसिस से रक्षा करता है। इसके अलावा चना माहवारी और रजोनिवृत्ति के बाद के लक्षणों के दौरान महिलाओं में होने वाले मानसिक बदलाव से राहत प्रदान करता है।

पालक

बच्चों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद

बच्चों के लिए पालक

शायद आपके बच्चों को भी पपई द सेलर मैन जैसे कॉर्टून से पालक खाने की प्रेरणा मिली हो। पालक को खाते ही उसमें गजब की शक्ति आ जाती है। अगर आदत नहीं तो आज ही अपने बचे चे को पालक खाने की आदत डालें। जी हां पालक को आयरन का पावरहाउस कहा जाता है। लेकिन वे या आप जानते है कि पालक में कैलोरी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, फाइबर और मिनरल तत्व होता हैं। साथ ही पालक में विभिन्न मिनरल तत्व जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन तथा विटामिन ए, बी, सी आदि प्रचुर मात्रा में पाया जाते हैं। इसलिए इसमें मौजूद यह सभी तत्व बढ़ते बच्चों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए जानें पालक बच्चों की सेहत को किस तरह फायदेमंद होता है।

हड्डियां और मसल्स बनती है मजबूत

कैल्शियम, मैग्नेश्यिम और फोस्फोरस से भरपूर पालक हड्डियों के लिए फायदेमंद है। यह हड्डियों को स्वस्थ बनाने के साथ मजबूत बनाता है। इसके अलावा पालक विटामिन 'के' का एक बहुत अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों में कैल्शियम को बनाए रखने में मदद करता है। आयरन के साथ-साथ इसमें प्रोटीन के साथ एमिनो एसिड भी पाया जाता है। जो किसी भी हाई प्रोटीन फूड से बेहतर होता है।

इम्यूनिटी को बेहतर बनाएं

मल्टीविटामिन पालक में सभी तरह के खास विटामिन पाए जाते है। जिससे बच्चे का इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। इतना ही नहीं, पालक विटामिन 'के' का सबसे अच्छा स्रोत है। और इसमें पाया जाने वाला बीटा कैरोटिन के कारण इसके सेवन से बच्चों का पाचनतंत्र मजबूत होता है और यह भूख बढ़ाने में सहायक होता है। अगर आपका बच्चा खाना खाने में अनाकानी करता है तो उसे आज से ही पालक खाने को दें।

आंखों के लिए अच्छा

अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की आंखों पर चश्मा न लगें तो उसके आहार में पालक को शामिल करें। पालक बच्चों की आंखों के लिए बेहद अच्छा होता है इसमें विटामिन ए और ल्यूटिन जैसे पोषक तत्व मौजूद होते है।

विटामिन 'ए' कॉर्निया की रक्षा करने में मदद करता है और ल्यूटिन पराबैंगनी प्रकाश से आंखों की रक्षा करता है।

डिहाइड्रेशन से बचाएं

छोटे बच्चों में पानी की कमी बड़े बच्चों की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे बड़े की तुलना में ज्यादा जल्दी तरल पदार्थ खोते हैं। और पालक में पानी की मात्रा लगभग 90 प्रतिशत होती है और यह प्राकृतिक तरल पदार्थ से भरा होता है। इसी वजह से यह बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाता हैं।

शरीर को फिट रखने के लिए जरुर खाएं ड्राई फ्रूट्स

त्योहारों के मौके आजकल ज्यादातर लोग एक दूसरे को मिठाईयों की जगह ड्राई फ्रूट्स देना पसंद करते हैं। ड्राई फ्रूट्स जहां खाने में स्वादिष्ट लगते हैं वहीं इनके सेवन से शरीर को बहुत से लाभ मिलते हैं। वैसे भी सर्दियां आने वाली हैं, इस दौरान आपको बादाम, पिस्ता, काजू, अखरोट... चारों ओर बस यही दिखाई देंगी। आइए आज हम जानते हैं अलग-अलग ड्राई फ्रूट्स खाने के फायदों में विस्तार से...

काजू

बड़ों से लेकर बच्चों की पसंद होता है काजू ... हल्का सा मीठा और सॉफ्ट तत्व का बना काजू विटामिन-ई से भरपूर होता है। विशेषज्ञों की मानें तो काजू में एंटी-एजिंग तत्व पाए जाते हैं जो आपकी सेहत से लेकर त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद सिद्ध होते हैं। काजू के सेवन से आपकी स्किन ग्लोइंग रहती है और आपके चेहरे पर बुढ़ापा जल्द फील नहीं होता।

बादाम

बादाम एक ऐसा ड्राइ फ्रूट है जिसकी विशेषताएं खत्म होने का नाम ही नहीं लेतीं। इसे आप हर रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। सुबह उठकर 4-5 बादाम खाने से आपके शरीर कई तरह के रोगों से मुक्त रहता है।

किशमिश

किशमिश कैल्शियम और फाइबर का एक अच्छा स्त्रोत है। इसके रोजाना सेवन से शरीर की हड्डियां मजबूत रहती हैं साथ ही इसका सेवन शरीर में खून की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा किशमिश खाने से गुर्दे की पथरी, एनीमिया, दांतों में कैविटी आदि रोग नहीं होते। इसमें ग्लूकोस और फक्टोज़ पाया जाता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। दुबले-पतले लोगों के लिए इसका सेवन काफी लाभदायक होता है।

पिस्ता

पिरे ता हमारे रे वारे थ्ेय के लिये बहुत अचे छा होता है। इसमें मैगे नीशियम, कॉपर, रेशा, फारे फोरस और विटामिन बी जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पिस्ता शरीर के कोलेस्ट्रोल को कम कर दिल से जुड़ी बीमारियों से आपकी रक्षा करता है।

अखरोट

अखरोट के आकार को ध्यान से देखा जाए तो यह ठीक मनुष्य के मस्तिषक के आकार सा लगता है। जिससे जाहिर होता है कि अखरोट खाने से व्यक्ति का दिमाग तेज चलता है।

मखाना

मखाना खाने से सेहत को बहुत सारे लाभ मिलते हैं। मखाने के सेवन से तनाव कम होता है और नींद अच्छी आती है। रात में सोते समय दूध के साथ मखाने का सेवन करने से नींद न आने की समस्या दूर हो जाती है।

चिलगोजा

चिलगोजा भारत में नियोजा के नाम से जाना जाने वाला पाइन नट्स है जो चिलगोजा पाइन-पेड़ पर उगता है। यह आयरन का एक अच्छा स्रोत हैं, जो गर्भवती महिलाओं के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है क्योंकि आयरन एनीमिया को रोकने और मां के शरीर में हीमोग्लोबिन उत्पादन में सहायता करता है।

तो इस तरह अलग-अलग ड्राई फ्रूट्स खाने से शरीर को कई तरह से लाभ प्राप्त होता है। तो इन सर्दियों अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए खूब ड्राई-फ्रूट्स खाएं । सेहत को ध्यान में रखने का मतलब यदि आप हाई बी.पी. या फिर किसी अन्य हेल्थ प्रॉबल्म से पीड़ित हैं तो इनका सेवन अपने डॉक्टर से सलाह लिए बगैर बिल्कुल न करें।

डायबिटीज-मोटापे जैसी बीमारियों का काल है काला गेंहू, मिलेंगे और भी कई फायदे

सुनहरे गेहूं के गुण तो आप सब जानते ही हैं मगर आज हम बात करने जा रहे है काले गेहूं के बारे में... शायद काली गेंहू सुनने में आपको अजीब लगे मगर इस गेहू के सेवन से आपकी सेहत को बहुत ज्यादा फायदे मिल सकते हैं।पिछले कुछ समय से बिहार के कुछ हिस्सों में इसकी पैदावार की जा रही है व इस पर लगातार रिसर्च भी जारी है। रिसर्च में पाया गया है कि काली गेहूं में आम गेंहू के मुकाबले अधिक जिंक, आयरन व एंटीऑक्सीडेंट पाई जाती है। गुणवक्ता के मामले में यह ब्लू बैरी के समान है। अपने इन्हीं गुणों के कारण यह इन बीमारियों से बचाने में मदद करती है।

तनाव

आजकल बदलती हुई लाइफस्टाइल के कारण अधिकतर लोग तनाव का शिकार हो रहे है। इतना ही नही इसे दूर करने के लिए वह कई तरह की दवाइयां भी ले रहे हैं। वहीं काली गेहूं तनाव को दूर करने में काफी मदद करती हैं।

मोटापा

यंक फूड का सेवन अधिक करने के कारण अधिकतर लोग मोटापे का शिकार हो रहे है। वहीं रिसर्च की माने तो इसमें पाए जाने वाले गुण मोटापे पर कंट्रोल करने में बहुत ही मदद करते है।

कैंसर

कैंसर के लिए अभी तक कोई स्थाई इलाज सामने नही आया है वहीं काला गेहूं उन लोगों के लिए एक अच्छा खाद्य पदार्थ है। इससे इस रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

मधुमेह

मधुमेह की बीमारी में दवाईयों से जल्दी आराम नही मिलता है वहीं रिसर्च में पाया गया है कि काले गेहूं के प्रयोग से पीड़ित इंसान पर भी सकारात्मक परिणाम मिलता है।

दिल्ली में संपत्ति पंजीकरण पर सर्किल रेट में कटौती का लाभ सितंबर से आगे बढ़ाया जाए: विशेषज्ञ

नई दिल्ली: इंडिया सॉथबे इंटरनेशनल रियल्टी के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए दिल्ली सरकार को सर्किल रेट में की गई 20 प्रतिशत की कमी के लाभ को इस साल सितंबर से आगे बढ़ाना चाहिए। यह कंपनी सॉथबे इंटरनेशनल रियल्टी का हिस्सा है और मुख्य रूप से बड़े शहरों में सुपर लक्जरी और प्रीमियम संपत्तियों के ब्रोकरेज का काम करती है। इनमें लुटियंस और दक्षिण दिल्ली का रियल एस्टेट बाजार शामिल है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित गोयल ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से राष्ट्रीय राजधानी में संपत्तियों और वसीयत का पंजीकरण बाधित हुआ है। उन्होंने दिल्ली सरकार से उचित कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ प्रक्रिया खोलने का अनुरोध किया है। गोयल ने सर्किल रेट संबंधी लाभ को लेकर कहा कि महामारी की भीषण दूसरी लहर और लॉकडाउन की वजह से करीब दो महीने बेकार चले गए। दिल्ली सरकार ने इस साल फरवरी में शहर में रिहायशी, व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों से जुड़े सर्किल रेट में 20 प्रतिशत की प्रत्यक्ष कमी करने की घोषणा की थी। उसने 30 सिबंतर, 2021 तक के लिए ऐसा किया था। जियूस लॉ के मैनेजिंग पार्टनर सुनील त्यागी ने कहा, यह जरूरी है और इसकी उम्मीद की जाती है कि दिल्ली सरकार घटे हुए सर्किल रेट का लाभ आगे बढ़ा दे।

वित्त वर्ष 2020-21 में विदेशी निवेश के मामले में गुजरात अव्वल

- कोरोना काल में लगातार दूसरे साल गुजरात में देश के कुल निवेश का 78 फीसदी हिस्सा रहा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान देश में जहां अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ है, वहीं विदेशी निवेश के मामले में गुजरात देश में अव्वल रहा है। कोरोना काल में लगातार दूसरे साल गुजरात में देश के कुल निवेश का 78 फीसदी हिस्सा रहा है। कोरोना काल में कोविड के संक्रमण, लॉकडाउन और आंशिक लॉकडाउन के कारण गुजरात में देश के कुल निवेश का कुल 78 फीसदी हिस्सा आया। जब देश की अर्थव्यवस्था पर कोविड क्राइसिस का गहरा असर पड़ा है। ऐसे वक्त में भी गुजरात विदेशी निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है। वर्ष 2020-21 में देश के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई से 37 फीसदी एफडीआई प्राप्त करके गुजरात लगातार चौथे वर्ष देश में औद्योगिक प्रत्यक्ष निवेश की सूची में सबसे ऊपर है। गुजरात के बाद महाराष्ट्र 27 फीसदी के साथ दूसरे और कर्नाटक 13 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। निवेश करने वाले देशों में सिंगापुर का 29 फीसदी, अमेरिका का 23 फीसदी और मॉरिशस का 9 फीसदी हिस्सा है1 देश में अमेरिका का निवेश 227 फीसदी और यूके का 44 फीसदी बढ़ा है। पिछले साल की तुलना में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, रबर के सामान, खुदरा व्यापार, फार्मा, बिजली के उपकरणों में निवेश 100 फीसदी बढ़ा है।सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर सेक्टर 44 फीसदी निवेश के साथ शीर्ष पर रहा है। भारत को 2019-20 में 74.39 बिलियन यूएस डॉलर का 10 फीसदी ज्यादा एफडीआई निवेश प्राप्त हुआ, जो 2020-21 के दौरान 81.72 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अब तक का सबसे अधिक एफडीनि निवेश है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी) ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह बढ़त दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, एचडीएफसी और टीसीएस के शेयरों में बढ़त के साथ ही एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे सेंसेक्स 380 अंक बढ़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 379.99 अंक करीब 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ ही 51,017.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,301.45 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे अधिक करीब पांच फीसदी उछला जबकि बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और एचडीएफसी के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी ओर पावरग्रिड, एनटीपीसी, ओएनजीसी और कोटक बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। जानकारों के अनुसार वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से अर्थव्यवस्था में सुधार की संभावना से निवेशकों की धारणा को बल मिला है। धातु को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों के सूचकांक लाभ में रहे। वहीं इससे पहले सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के बीच एचडीएफसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस जैसे बड़े शेयरों में तेजी से सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 100 अंक से अधिक बढ़ गया। इस दौरान सूचकांक 125.76 अंक बढ़कर 50,763.29 पर और निफ्टी 25.75 अंक बढ़कर 15,234.20 पर था। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो फीसदी की तेजी टाइटन में हुई। इसके अलावा सन फार्मा, एमएंडएम, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, एचयूएल और एशियन पेंट्स भी तेजी वाले शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और कोटक बैंक लाभ के साथ ही हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे।

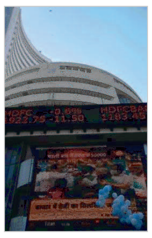

एयर इंडिया के यात्री 30 जून तक निशुल्क बदल सकते हैं यात्रा की तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड -19 महामारी के बीच एयर इंडिया ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। एयर इंडिया से सफर करने वाली यात्री अब अपनी यात्रा की तारीख, उड़ान संख्या और सेक्टर में बदलाव कर सकते हैं। गौरतलब है` कि यात्रा की तारीख में बदलाव करने के लिए आपको किसी भी तरह का शुल्क नहीं देना होगा। एयरलाइन ने इस ऑफर को ग्राहकों के लिए 30 जून 2021 तक के लिए बढ़ा दिया है। यह निर्णय विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों को देखने के बाद लिया गया है। एयर इंडिया ने ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी है। कंपनी ने ट्वीट में लिखा है कि मौजूदा महामारी की स्थिति को देखते हुए कंपनी ने इस ऑफर की तारीख को बढ़ा दिया है। एयर इंडिया ने यात्रियों की सुविधा के लिए अपने घरेलू नेटवर्क में दिनांक, उड़ान संख्या या सेक्टर में फ्री बदलाव करने की सुविधा को 30 जून 2021 तक बढ़ाया है।

बीएसई एसएमई मंच पर एक साल में सूचीबद्ध होंगी 60 से अधिक छोटी कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी):

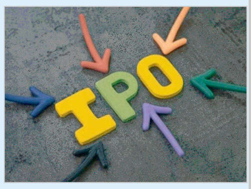

अपनी कारोबारी जरूरतों के लिए इक्विटी कोष जुटाने को 60 से अधिक लघु एवं मझोले उपक्रम (एसएमई) एक साल में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएंगे। बीएसई के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसई के एसएमई और स्टार्टअप प्रमुख अजय ठाकुर ने कहा कि इन कंपनियों को एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। पिछले साल सिर्फ 16 एसएमई ने आईपीओ के जरिए 100 करोड़ रुपए जुटाए थे। ठाकुर ने बताया कि महामारी के दौरान एक्सचेंज ने एसएमई को इक्विटी वित्तपोषण और सूचीबद्धता के प्रति जागरूक करने को करीब 150 वेबिनार का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि जागरूकता की कमी की वजह से छोटी कंपनियां समझती हैं कि सूचीबद्धता के बाद अनुपालन और स्तर और लागत बढ़ जाती है। ठाकुर ने कहा कि एसएमई की सूचीबद्धता से एसएमई की पहचान बढ़ती है और साथ ही उनके ब्रांड का निर्माण भी होता है। इसके अलावा इससे उनकी क्रेडिट रेटिंग में सुधार होता है और उन्हें आसानी से वित्त की सुविधा तथा वृद्धि के अवसर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा, बीएसई एसएमई पहला एसएमई मंच है जिस पर 400 एसएमई ने दस्तावेज जमा कराए हैं। इनमें से 337 पहले ही सूचीबद्ध हो चुकी हैं। शेष 63 एसएमई इकाइयां एक साल के समय में सूचीबद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमने कई कदम उठाए थे, जिससे हमारे मंच पर हर महीने एक कंपनी सूचीबद्ध हुई।

सोने-चांदी की कीमतों में आया जबरदस्त उछाल, 2 महीने में 5,000 रुपए महंगा हआ सोना

(एजेंसी):

बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई। आज सोना 49,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 72,500 रुपए को पार गई। एमसीएक्स पर सोना वायदा 0.4 फीसदी बढ़कर 49,049 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जबकि चांदी वायदा 0.7 फीसदी बढ़कर 72622 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 0.62 फीसदी और चांदी 0.51 फीसदी महंगी हुई थी। अगर देखा जाए तो पिछले दो महीने से भी कम समय में सोना 5,000 रुपए महंगा हो गया है। मार्च में सोने की कीमतें लगभग 44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। कीमतों में हालिया सुधार के बावजूद सोने की दरें अभी भी पिछले साल के उच्चतम 56,200 रुपए से काफी नीचे हैं।

वैश्विक बाजार में इतनी है कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना 0.4 फीसदी बढ़कर 1,906.16 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 27.99 डॉलर प्रति औंस पर थी और प्लैटिनम 0.8 फीसदी बढ़कर 1,200.69 डॉलर पर रहा। सोने के व्यापारियों को इस सप्ताह के अंत में जारी होने वाले अमेरिका के शुरुआती बेरोजगार दावों, जीडीपी, लंबित घरेलू बिक्री के आंकड़ों क इंतजार है। एशियाई इक्विटी बाजार आज ज्यादातर ऊंचे स्तर पर थे, जबकि बिटक्वाइन 40,000 डॉलर तक चढ़ गया था।

सोने में निवेश का मौका

सरकार ने जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दिया है। निवेशक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना के तहत बाजार मूल्य से काफी कम दाम में सोना खरीद सकते हैं। यह योजना सिर्फ पांच दिन के लिए (24 मई से 28 मई तक) खुली है। योजना के तहत आप 4,842 प्रति ग्राम पर सोना खरीद सकते हैं यानी अगर आप 10 ग्राम सोने खरीदते है तो उसकी कीमत 48,420 रुपए बैठती है और गोल्ड बॉन्ड की खरीद ऑनलाइन तरीके से की जाती है तो सरकार ऐसे निवेशकों को 50 रुपए प्रति ग्राम की अतिरिक्त छूट देती है। इसमें आवेदनों के लिए भुगतान %डिजिटल मोड% के माध्यम से किया जाना है।

ऑनलाइन सोना खरीदने पर निवेशकों को प्रति ग्राम सोना 4,792 रुपए का पड़ेगा। ऐसे में आपको 47,920 रुपए में 10 ग्राम सोना मिल जाएगा।

नए आईटी नियमों के अनुपालन के लिए फेसबुक, गूगल उठा रही कदम

नई दिल्ली (एजेंसी):

दुनिया की प्रमुख डिजिटल कंपनियों गूगल और फेसबुक ने मंगलवार को कहा कि वे नए आईटी नियमों के अनुपालन के लिये कदम उठा रही हैं। सोशल मीडिया कंपनियों के लिये नये आईटी नियम के प्रभाव में आने के कुछ घंटों पहले कंपनियों ने यह बात कही। नये नियम की घोषणा 25 फरवरी को की गई थी। इस नए नियम के तहत ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी बड़े सोशल मीडिया मंचों को अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत होगी। इसमें मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल अधिकारी और शिकायत अधिकारी की नियुक्ति आदि शामिल हैं। प्रमुख सोशल मीडिया मंचों को नए नियमों के अनुपालन के लिये तीन महीने का समय दिया गया था। इस श्रेणी में उन मंचों को रखा जाता है, जिनके पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक है। नियमों का पालन न करने के परिणामस्वरूप इन सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी मध्यस्थ की स्थिति खोनी पड़ेगी। यह स्थिति उन्हें किसी भी तीसरे पक्ष की जानकारी और उनके द्वारा 'होस्ट' किए गए डाटा के लिए दायित्वों से छूट और सुरक्षा प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में, उन पर कार्रवाई की जा सकती है। गूगल के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने प्रभावी और निष्पक्ष तरीके से अवैध सामग्री से निपटने और परिचालन वाले जगहों पर स्थानीय नियमों का अनुपालन करने के लिए कदम उठाए हैं। इसके तहत उत्पाद में महत्वपूर्ण बदलाव के साथ संसाधनों और कर्मियों में लगातार निवेश किए गए हैं। फेसबुक के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी परिचालन प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए काम कर रही है और इसका उद्देश्य आईटी नियमों के प्रावधानों का पालन करना है। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ने कहा कि वह कुछ मुद्दों पर स्पष्टता को लेकर सरकार के लगातार संपर्क में है। फेसबुक के पास फोटो साझा करने का मंच इंस्टाग्राम भी है। हालांकि, फेसबुक और गूगल दोनों ने मंगलवार तक अनुपालन के नए स्तर को पूरा करने के बारे में चीजें स्पष्ट नहीं की। हालांकि, मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फेसबुक ने स्वैच्छिक सत्यापन, अश्लील सामग्री को हटाने के लिए 24 घंटे की समयसीमा और समयबद्ध शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने के प्रावधान रखे हैं। ट्विटर ने अनुपालन की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दी।

कू ने टाइगर ग्लोबल की अगुवाई में 3 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली (एजेंसी):

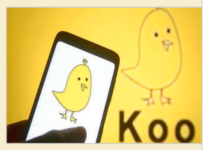

भारत में ट्विटर की प्रतिद्वंद्वी कू ने टाइगर ग्लोबल के नेतृत्व में सीरीज बी वित्त पोषण के जरिए 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 218 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। कू ने एक बयान में कहा कि वित्त पोषण के ताजा दौर में मौजूदा निवेशकों एक्सेल पार्टनर्स, कलारी कैपिटल, ब्लूम वेंचर्स और ड्रीम इनक्यूबेटर ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा नए निवेशकों के तौर पर आईआईएफएल और मिराए एसेट्स सामने आए हैं। गौरतलब है कि यह निवेश ऐसे वक्त में जुटाया गया है, जब देश में नए आईटी मध्यस्थ नियमों के प्रभावी होने से ट्विटर और फेसबुक सहित सोशल मीडिया कंपनियों के लिए जवाबदेही बढ़ी है। कू के करीब 60 लाख उपयोगकर्ता हैं। कू ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसने नए नियमों को लागू किया है और उसकी गोपनीयता नीति, उपयोग की शर्तें और सामुदायिक दिशानिर्देश अब नए नियमों के अनुरूप हैं।

एएससीआई ने अमूल के विज्ञापन के खिलाफ दायर तीन शिकायतों को खारिज किया: कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी):

प्रमुख डेयरी फर्म अमूल ने कहा कि भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने कंपनी के एक विज्ञापन के खिलाफ दायर तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि सोया पेय जैसे संयंत्र आधारित उत्पाद दूध नहीं हैं। अमूल ब्रांड के तहत उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने एक बयान में कहा कि उक्त तीन शिकायतें ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी (बीडब्ल्यूसी), पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) और शरण इंडिया ने दायर की थीं। अमूल द्वारा ये विज्ञापन 24 मार्च को जनहित में जारी किए गए थे, जिनके खिलाफ एएससीआई के पास शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। अमूल ने कहा कि उसने विज्ञापन के जरिए दूध के बारे में फैलाए जा रहे दावों के झूठ को उजागर करने की कोशिश की। विज्ञापन में कहा गया कि सोया पेय जैसे पौधे आधारित डेयरी सदृश्य उत्पाद दूध नहीं हैं। जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा, ÷एएससीआई ने ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी (बीडब्ल्यूसी), पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) और शरण इंडिया द्वारा दायर सभी तीन शिकायतों को खारिज कर दिया। अमूल ने कहा कि शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाए थे कि विज्ञापन में किए गए तर्क झूठे थे। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया था कि दूध संपूर्ण भोजन नहीं है, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और पौधों पर आधारित भोजन से कम पौष्टिक है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाए कि डेयरी फार्मिंग उन मवेशियों के लिए अच्छी नहीं है, जिनके साथ क्रूरता होती है। एएससीआई ने शिकायतों पर फैसला सुनाते हुए अमूल की दलीलों को हर मायने में सही पाया और कहा कि दूध को पौष्टिक तथा कैल्शियम, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, खनिज और प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत साबित करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक डेटा है।

फलों की कीमत में आने लगी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दिल्ली स्थित एशिया की सबसे बड़ी आजादपुर सब्जी एवं फल मंडी में अब फलों के दाम घटने लगे हैं। थोक मंडी में ही फलों की कीमत में कमी आने के साथ ही लोकल मंडियों में भी भाव गिरे हैं। इन दिनों आम, तरबूज, खरबूजा और लीची की मांग अधिक है। कई राज्यों से आम की आवक बढ़ने की वजह इसके भाव में कमी आई है। नवरात्र और रमजान के बाद तरबूज, खरबूजा, अनार, चीकू, पपीता के साथ ही दूसरे फलों के रेट कम हुए हैं। हालांकि, कुछ फलों के दाम आजादपुर मंडी में कम होने के बाद भी लोकल मंडियों में दाम कम नहीं हो रहे हैं। आजादपुर मंडी के एक फल विक्रेता ने बताया कि हर साल नवरात्र और रमजान के बाद फलों के भाव में कमी देखने को मिलती है। इस साल भी फलों के रेट में गिरावट दर्ज की गई है। इस समय आम की खपत अधिक है। आम का सीजन मार्च से अगस्त तक होता है। दिल्ली में आम आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों से आता है। उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों से आम जून में आना शुरू होंगे। मंडी में कई क्वॉलिटी के आम आ रहे हैं। सभी की कीमत अलग-अलग हैं। तरबूज और खरबूजा की मांग भी अधिक है। आवक भी खूब है। पहले के मुकाबले इनके भाव में भी कमी आई है। पहले लोकल मंडियों में 20 से 25 रुपए कि प्रति किलो तक बिकने वाला तरबूज अब 15 से 20 रुपए किलो बिक रहा है। खरबूजे के भाव में प्रति किलो 5 रुपए की कमी देखने को मिल रही है। सेब का सीजन अभी नहीं है। तब भी इसके भाव में कमी देखने को नहीं मिल रही है। आम, तरबूज और खरबूजा की कीमतों में कमी आई है।

कोरोना महामारी के बीच फ्लिपकार्ट ने 23 हजार लोगों को दी नौकरी, जानें क्या है आगे का प्लान

(एजेंसी):

कोरोना संकट के बीच फ्लिपकार्ट ने हजारों कर्मचारियों को नौकरी दी है। कंपनी ने कहा कोरोना काल में एक ओर जहां छंटनी कर रहे थे। वहीं, हमने 23000 लोगों को काम पर रखा है। फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में अपने उत्पादों को तेजी से वितरित करने के लिए सप्लाई चेन को मजबूत करना चाहती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि देश भर में ई-कॉमर्स सेवाओं की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए हायरिंग की गई थी। फ्लिपकार्ट आपूर्ति श्रृंखला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत बद्री ने कहा, लोग वायरस से लड़ने के लिए घर के अंदर ही रह रहे हैं और देश भर में ई-कॉमर्स सेवाओं की मांग बढ़ रही है। इससे हमारी आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार जरूरी हो गया और हजारों रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है।

कंपनी चला रही प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह सीधी भर्ती के लिए आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रही है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम व्हॉट्सऐप, जूम और हैंगआउट जैसे मोबाइल ऐप के साथ ही फ्लिपकार्ट के अपने प्लेटफॉर्म के जरिए भी संचालित किए जा रहे हैं।

हर दिन पूरे किए जाएंगे 73000 ऑर्डर

योजना के हिस्से के रूप में, फ्लिपकार्ट अगले तीन महीनों में पांच नए सप्लाई सेंटर्स के माध्यम से 8 लाख वर्ग फुट से अधिक जगह जोड़ेगा। इस अतिरिक्त बेसिक स्ट्रक्चर के साथ, बाजार दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, कोयंबटूर और हैदराबाद में अधिक उपयोगकताओं के लिए ऑनलाइन किराने की खरीदारी में आसानी लाएगा। इससे फ्लिपकार्ट को प्रति दिन 73,000 से अधिक किराना ऑर्डर पूरा करने में मदद मिलेगी। पिछले महीने ई-कॉमर्स कंपनी ने लखनऊ, पुणे, अहमदाबाद, दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और पटना में किराना पूर्ति केंद्र की क्षमता बढ़ाई। यह वर्तमान में एक दिन में करीब 64,000 ऑर्डर देता है।

वर्ष 2025 तक नए वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक दोपहिया का हिस्सा 8-10प्रतिशत होगा: इक्रा

नई दिल्ली (एजेंसी):

देश में 2025 तक नए वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक दोपहिया का हिस्सा करीब 8 से 10 प्रतिशत होगा। वहीं इलेक्ट्रिक तिपहिया का हिस्सा 30 प्रतिशत रहेगा। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बुधवार को यह बात कही। इक्रा ने कहा कि परिचालन की कम लागत और आकर्षक सब्सिडी समर्थन की वजह से कुल वाहन बिक्री में इलेकट्रिक दोपहिया और तिपहिया की हिस्सेदारी बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने हालांकि कहा कि मध्यम अवधि में कारों और ट्रकों के मामलों में यह स्तर नीचे रहेगा।

इक्रा ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2020 में वैश्विक स्तर पर नई कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 4.4 प्रतिशत रही। चालू कैलेंडर वर्ष में यह 5 प्रतिशत से अधिक रहेगी। इक्रा ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया खंडों की वाणिज्यिक चार्जिंग ढांचे पर निर्भरता काफी कम है क्योंकि उन्हें अधिक लंबी दूरी की यात्रा नहीं करनी होती। इसके अलावा उनके लिए बैटरी अदला-बदली की सुविधा भी है। साथ ही परिचालन की लागत भी इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया के पक्ष में है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत अपने बड़े दोपहिया और तिपहिया खंड का लाभ उठाकर वैश्विक स्तर पर प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया विनिर्माता बन सकता है। हालांकि, इलेक्ट्रिक कारों के मामले में भारत पीछे रहेगा। इक्रा ने कहा कि बीते कैलेंडर साल में कोविड-19 की वजह से वैश्विक स्तर पर वाहनों की मांग घटी। इसके बावजूद इलेक्ट्रिक वाहनों ने इससे पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

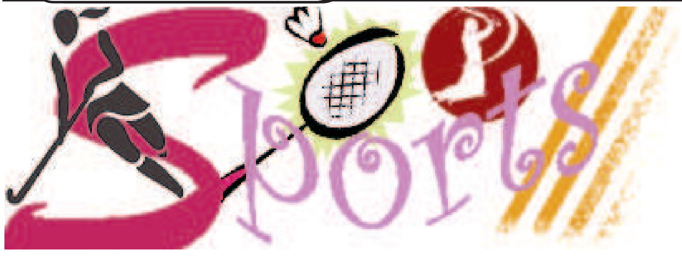

क्रिप्टो कप शतरंज- पहले स्थान के साथ फबियानों करूआना प्ले ऑफ मे

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के सातवे पड़ाव 3 लाख 20 हजार डॉलर इनामी राशि वाले क्रिप्टो कप ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के मुक़ाबले खत्म हो गए और इस प्रकार जहां आठ खिलाड़ियों की टूर्नामेंट से विदाई हो गयी तो आठ खिलाड़ी क्वाटर फाइनल मे प्रवेश कर गए । दूसरे दिन शीर्ष पर रहे यूएसए के फबियानों करूआना का शानदार प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा और कुल 15 राउंड की समाप्ती पर वह 10 अंक बनाकर शीर्ष पर रहे । नीदरलैंड के अनीश गिरि नें वापसी करते हुए 9 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दूसरा स्थान हासिल किया तो इतने ही अंको पर यूएसए के हिकारु नाकामुरा ,फ्रांस के मकसीम लागरेव और यूएसए के वेसली सो क्रमशः दूसरे से चौंथे स्थान पर रहे । विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन भी अंततः प्ले ऑफ मे जगह बनाने मे कामयाब रहे 8.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर वह छठे तो अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव सातवे स्थान पर रहे । रूस के इयान नेपोंनियची 8 अंक बनाकर आठवे स्थान पर रहे ।अब क्वाटर फाइनल मे फबियानों करूआना से इयान नेपोंनियची ,वेसली सो से मकसीम लागरेव , हिकारु नाकामुरा से मेगनस कार्लसन , और तैमूर रद्जाबोव से अनीश गिरि मुक़ाबला खेलेंगे ।

आईपीएल दोबारा शुरू करने से पहले बीसीसीआई के सामने हैं यह बड़ी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बायो-बबल में कोरोना संक्रमण के चलते रद्द हुए आईपीएल 2021 सत्र के शेष हिस्से को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सितंबर-अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कराने की तैयारी कर रहा है। बोर्ड आगामी 29 मई को अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के बाद इस संबंध में आधिकारिक घोषणा कर सकता है। खबरें यह हैं कि कोरोना के कारण स्थगित आईपीएल का 14वां संस्करण 16 से 20 सितंबर के आसपास फिर से शुरू और 9 या 10 अक्टूबर को खत्म हो सकता है, हालांकि आयोजन का यह समय आगामी टी-20 विश्व कप के हिसाब से ठीक नहीं बैठता है जो 18 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। दोनों टूर्नामेंट समय और स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, हालांकि बीसीसीआई के एक सदस्य ने यह पुष्टि की है कि टी-20 विश्व कप के संभावित मेजबान आयोजक अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें आश्वासन देते हुए शेष आईपीएल की शैड्यूलिंग में लचीली व्यवस्था करने पर सहमत जताई है। समझा जाता है कि ब्रांडिंग और अन्य गतिविधियों की तैयारी के लिए टी-20 विश्व कप की शुरुआत से दस दिन पहले आईसीसी को मैदान सौंपने के कारण आईपीएल शेड्यूलिंग मुश्किल हो जाएगी। ऐसे में तीन उपलब्ध स्थानों दुबई, शारजाह और अबु धाबी में मैचों को संक्रमण मुक्त तरीके से आयोजित करने की योजना है। इस स्थिति में बीसीसीआई को आखिरी कुछ मुकाबले एक ही मैदान पर करवाने पड़ सकते हैं और अन्य दो स्थान आईसीसी को सौंपे जा सकते हैं। इस वर्ष अक्टूबर-नवंबर में टी-20 विश्व कप के आयोजन के चलते बीसीसीआई के पास आईपीएल का आयोजन करवाने के लिए 20 से 23 दिन का ही विंडो है और ऐसे में बीसीसीआई सीजन को पूरा करवाने के लिए कई डबल हेडर मुकाबलों का आयोजन कर सकता है। समय और आयोजन स्थल के अलावा बीसीसीआई और सभी फ्रेंचाइजी के लिए शेष सत्र के आयोजन के दौरान विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता भी चिंता का विषय है, हालांकि वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियोंके खेलने की उम्मीद है, क्योंकि सीपीएल 19 सितंबर को खत्म हो जाएगा और ऐसे ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी भी खेलने आ सकते हैं, लेकिन क्रिकेट कैलेंडर के अलावा यहां अन्य और कारण भी हैं। उदाहरण के तौर पर दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ एक करोड़ रुपए के लिए आईपीएल में आने को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं हो सकते, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और ग्लेन मैक्सवेल खुद को उपलब्ध करा सकते हैं, क्योंकि अगर वे लीग के दूसरे हिस्से में नहीं खेलते हैं तो उन्हें 7-8 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। उल्लेखनीय है कि कमिंस को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 15.50 करोड़ और मैक्सवेल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। बहरहाल आगामी महीनों में विदेशी खिलाड़ियोंकी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन बीसीसीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता शेष लीग का मंचन करना होगा, क्योंकि वह ऐसा करने में विफल रहता है तो उसे भारी वित्तीय नुकसान होगा।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के 12 पदक तय

दुबई (एजेंसी)।

भारत की तीन महिलाओं सहित चार मुक्केबाजों ने प्रभावशाली जीत के साथ एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे इस प्रतियोगिता में भारत के कम से कम 12 पदक पक्के हो गये। संजीत (91 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा) और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने मंगलवार को देर रात अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करके अंतिम चार में पहुंचकर पदक पक्के किए। इससे पहले शिव थापा (64 किग्रा) ने सेमीफाइनल में जगह बनायी थी।भारत के सात पदक ड्रा के दिन ही सुनिश्चित हो गये थे। इनमें छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम (51 किग्रा) भी शामिल है। इंडिया ओपन के स्वर्ण पदक विजेता संजीत ने ताजिकिस्तान के जासुर कुरबोनोव को 5-0 से हराकर थापा के साथ पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला उज्बेकिस्तान के संजार तुरसुनोव से होगा जिन्हें तीसरी वरीयता हासिल है। महिलाओं के वर्ग में साक्षी ने ताजिकिस्तान की रुहाफ्जो हकजारोवा को 5-0 से हराया और अब उनका सामना कजाखस्तान की दिना जोलामन से होगा। जैस्मीन ने मंगोलिया की ओएंटसेटसेग येसुगेन को 4-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी जहां उन्हें कजाखस्तान की व्लादिस्लावा कुकता का सामना करना है। हाल में कोविड-19 से उबरने वाली सिमरनजीत ने उज्बेकिस्तान की रेखोना कोदिरोवा को 4-1 से पराजित किया। उनका अगला मुकबला कजाखस्तान की रिमा वोलोसेंको से होगा। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पुरुष मुक्केबाज अमित पंघल (52 किग्रा), विकास कृष्ण (69 किग्रा) और आशीष कुमार (75 किग्रा) बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

सुपर लीग को लेकर बगावत करने वाले क्लबों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

जेनेवा । यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूएफा ने सुपर लीग को लेकर बगावत करने वाले तीन क्लबों रीयाल मैड्रिड, बार्सिलोना और युवेंटस के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है जिसके कारण इन तीनों को चैंपियन्स लीग में भाग लेने से रोका जा सकता है। यूएफा ने कहा कि यूएफा के कानूनी ढांचे के संभावित उल्लंघन के लिए अब कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यूरोपीय फुटबाल की सर्वोच्च संस्था की नियमावली में यूएफा की अनुमति या उसके नियंत्रण से बाहर बनने वाले लीग के लिये क्लबों की संभावित समहूबाजी को लेकर भी एक उपबंध शामिल है। सुपर लीग के संस्थापकों में 12 क्लब शामिल थे लेकिन अब इसमें केवल तीन क्लब ही रह गए हैं जिन्होंने इससे हटने से इन्कार कर दिया। यूएफा ने इन तीनों क्लबों के खिलाफ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। यूएफा अध्यक्ष अलेक्सांद्र सेफरिन ने पिछले महीने क्लबों को आगाह किया था कि यदि कि वे कहते हैं कि हम सुपर लीग हैं तो फिर वे निश्चित तौर पर चैंपियन्स लीग में नहीं खेलते। रीयाल मैड्रिड, बार्सिलोना और युवेंटस तीनों ने चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई किया है।

इंग्लैंड के एलेक्स वेकली ने की संन्यास की घोषणा, बना चुका है 12,000 से अधिक रन

(एजेंसी)।

इंग्लैंड की अंडर 19 टीम और नॉर्थम्पटनशायर के पूर्व कप्तान एलेक्स वेकली ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। नॉर्थम्पटनशायर प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वेकली ने सभी प्रारूपों में 371 मौकों पर काउंटी का प्रतिनिधित्व किया और 12,000 से अधिक रन बनाए। वेकली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैंने अपने करियर का भरपूर आनंद लिया है और मैं खेल में अपने समय के लिए बहुत आभारी हूं। मेरे रास्ते में कई उतार-चढ़ाव आए लेकिन मैंने हमेशा नॉर्थम्पटनशायर क्रिकेट को अपना 100 प्रतिशत दिया है। उन्होंने वर्षों से टीम में अवसर देने के लिए क्लब को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी अवसरों के लिए क्लब को पर्याप्त रूप से धन्यवाद नहीं दे सकता जो उन्होंने मुझे वर्षों में दिए हैं और विशेष रूप से मुख्य कोच डेविड रिप्ले का, जिन्होंने मुझे मदद, प्रोत्साहित और समर्थन किया है। वह एक कोच के बजाय एक दोस्त बन गए हैं और उनके लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है। क्लब के सबसे सफल कप्तानों में से एक, वेकली 2 प्रमुख घरेलू खिताबों के लिए काउंटी का नेतृत्व करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। उन्होंने टी20 ब्लास्ट 2013 और 2016 दोनों में खिताब जीता है।

नॉर्थम्पटनशायर की अकादमी के खिलाड़ी वेकली ने 2005 में अपनी लिस्ट ए की शुरुआत की और 2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने से पहले सभी प्रारूपों में 198 बार टीम का नेतृत्व किया। क्लब के अध्यक्ष गेविन वारेन ने कहा कि वेकली इतने सालों से नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब का अभिन्न अंग रहे हैं, और हम उनके सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा, डेविड रिप्ले के साथ शुरुआती कार्यकाल में, क्लब को मैदान पर अविश्वसनीय रूप से सफल समय में मार्गदर्शन करने में वेकर्स बेहद महत्वपूर्ण थे। साल 2013 और 2016 में ट्रॉफी जीतना शानदार उपलब्धि थी।

संक्षिप्त समाचार

मोहाली का अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर को समर्पित

चंडीगढ़ । प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर की पहली पुण्यतिथि के मौके पर आज मोहाली का हॉकी स्टेडियम उन्हें समर्पित किया गया। स्टेडियम में सुबह उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। खेल, युवा मामलों के मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने मोहाली के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का नाम पद्मश्री बलबीर सिंह सीनियर के नाम पर रखने की कल मंजूरी दे दी थी और उनकी ओर से हॉकी स्टेडियम को महान खिलाड़ी को समर्पित किया गया। अब स्टेडियम को ओलम्पियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनैशनल हॉकी स्टेडियम के तौर पर जाना जाएगा। राणा सोढी ने कहा कि कोविड की स्थिति में सुधार होने पर इस स्टेडियम में महान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की याद में एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामैंट करवाया जाएगा। बलबीर सिंह सीनियर के दोहते कबीर सिंह ने खेल मंत्री को स्नेह भावना के तौर पर प्रिंसिपल सरवन सिंह के द्वारा लिखी पुस्तक गोल्डन गोल भी भेंट की। खेल मंत्री ने बताया कि खेल विभाग राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए श्री सीनियर के नाम पर स्कालरशिप की शुरू करेगा और उनकी याद में स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर एक प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। खेल मंत्री ने महान खिलाड़ी की याद में पौधे भी लगाए। ज्ञातव्य है कि बलबीर सिंह सीनियर ने तीन बार ओलम्पिक चैंपियन बनने के लिए भारतीय हॉकी टीम में अहम भूमिका निभाई और आज तक कोई भी उनका ओलम्पिक फाईनल का रिकार्ड तोड़ नहीं सका है। उन्होंने 1952 के ओलम्पिक खेल के फाइनल में पाँच गोल दागे जिसमें भारत ने नीदरलैंड पर 6-1 से जीत दर्ज की। बलबीर सिंह सीनियर वर्ष 1975 के विश्व कप विजेता भारतीय हॉकी टीम के मैनेजर थे। उन्होंने खेल विभाग, पंजाब के डायरैक्टर के तौर पर सेवाएं निभाईं और नौजवानों को खेल जगत की तरफ उत्साहित किया।

हमारी गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर रही - तमीम

ढाका। श्रीलंका को दूसरे वनडे में मात देकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद बांग्लादेश के कप्तान तमीम इकबाल ने कहा कि इस मुकाबले में टीम की गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर रही। बांग्लादेश ने बारिश से बाधित मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.1 ओवर में 246 रन बनाए जबकि श्रीलंका ने 40 ओवर में नौ विकेट पर 141 रन बनाए और उसे डकवर्थ लुइस नियम के तहत 103 रनों से हार का सामना करना पड़ा।तमीम ने कहा, हम भाग्यशाली रहे कि हमने दो मैच जीते। हालांकि हम अभी तक पूरी तरह से बेहतर खेल नहीं खेले हैं। मध्य में हमने कई विकेट गंवाए और 200 रन बनाना भी कठिन लग रहा था। लेकिन महमूदुल्लाह और मुशफिकुर रहीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, हमने जो लक्ष्य रखा वो अच्छा था लेकिन इस मैच में हमारी गेंदबाजी और फील्डिंग अच्छी रही। लेकिन हमें अभी भी फील्डिंग पर ध्यान देना होगा और कैच पकड़ने होंगे।

सोनी सब के ‘मैडम सर’ की संतोष, यानी भाविका शर्मा के लिये कला तनाव से मुक्ति का साधन है

कला का मतलब अलग-अलग लोगों के लिये अलग-अलग हो सकता है। कुछ लोग सोचते हैं कि असली कलाकार बनने के लिये आपको पेंटिंग्स या मूर्तियां बनानी होंगी। कुछ का मानना है कि या तो आप कलाकारी का टैलेंट लेकर जन्मेआ हैं या नहीं। लेकिन कुछ लोगों के लिये कला अपनी भावनाओं और विचारों को प्रकट करने का माध्यरम है। भाविका शर्मा सोनी सब के ‘मैडम सर’ में दबंग संतोष की भूमिका के लिये जानी जाती हैं। उन्होंने बताया कि कला कैसे शांति पाने में उनकी मदद करती है और काम का एक व्यकस्त दिन बिताने के बाद उन्हें खुशी और तसल्ली का अहसास देती है।

अपनी कला के फायदों के बारे में भाविका कहती हैं कि कला उनके लिये तनाव से मुक्ति के सर्वश्रेष्ठत माध्यिमों में से एक है, क्योंकि यह शांत और सहज रहने में उनकी मदद करती है।

संतोष शर्मा की भूमिका निभा रहीं भाविका कहती हैं, ‘’बचपन से ही मेरा रूझान किसी और चीज के बजाय कला में ज्याादा रहा है। मैं पेंटिंग या कलरिंग से खुश हो जाती थी। समय के साथ मैं कला का इस्तेमाल शांति पाने के लिये करती रही हूं है और आज भी यह एक ऐसी एक्टिविटी है, जो शांति पाने में मेरी मदद करती है। कला शांतिदायक हो सकती है, क्योंकि आप तनाव की किसी भी भावना को कैनवास पर लाकर कोई खूबसूरत चीज बना सकते हैं। मैं यह भी मानती हूं कि कला खुशी के पलों और जिन्दभगी की उन घटनाओं को संजोने, लिखने और याद रखने का एक मौका है, जो आपका मूड तुरंत अच्छौ कर सकती हैं। अगली बार आप जब भी वॉक के लिये जाएं, अपने साथ कैमरा रखें, अपने बेडरूम की खिड़की से सूर्यास्तस का दृश्या बनाएं या अजनबियों की मुस्कुजराहट को कैमरे में कैद करें। मैं आपको विश्वासस दिला सकती हूं कि इससे आपको एक बेहतरीन अहसास मिलेगा।‘ ’

उन्होंनने आगे कहा, ‘’पेंटिंग या फोटोग्राफी के एक शांत सेशन के बाद मैं ज्याादा एनर्जेटिक और पॉजिटिव महसूस करती हूं। खासकर इस कठिन समय में, कला ने मुझे इसका मुकाबला करने और पॉजिटिव रहने में मदद की है। कला ने यह विचार बनाये रखने में मेरी मदद की है कि जल्दी ही सबकुछ सामान्ये हो जाएगा। अपने व्यैस्त शेड्यूल के दौरान भी मैं कला के लिये कुछ समय निकालने की भरपूर कोशिश करती हूं। मुझे पेंटिंग करना पसंद है, लेकिन मैं कला के नये रूपों को सीखने के लिये हमेशा तैयार और उत्सु क रहती हूं। कुछ महीनों पहले, मैंने पेंटिंग के अलग स्टारइल पर हाथ आजमाया था, जैसे मधुबनी, डूडलिंग, और उसमें मुझे मजा भी आया।‘ ’

युवा फुटबॉलर अनिरूद्ध थापा ने कहा- मौकों को गोल में बदलने में सुधार करने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारत के युवा फुटबॉलर अनिरूद्ध थापा ने कहा कि वह मौकों को भुनाकर गोल करने की दर में सुधार करने और मैचों के दौरान विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने पर ध्यान दे रहे हैं। यह 23 वर्षीय मिडफील्डर अगले महीने कतर में होने वाले फीफा विश्व कप 2022 और एशियाई कप 2023 के क्वालीफायर्स से पूर्व अभी भारतीय फुटबॉल टीम के साथ दोहा में अभ्यास कर रहा है।थापा ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कहा कि मुझे कई पहलुओं पर सुधार करने की जरूरत है। मुझे अधिक मौकों को भुनाना होगा। मैं जानता हूं कि मैं बेहतर कर सकता हूं। मुझे मैच के दौरान बदलती परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए मैच के दौरान कुछ ऐसे भी चरण आ सकते हैं जब हमें सीधी फुटबॉल खेलने की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में मुझे थोड़ा आगे बढ़कर अधिक मौके बनाने होंगे। थापा ने कहा कि लेकिन साथ ही यह भी देखना होगा कि मध्यपंक्ति में स्थान खाली न छूटे। मैं संतुलन बनाना सीख रहा हूं। मुझे अपने पीछे के खिलाड़ियों की स्थिति देखकर फिर आगे बढ़ना होगा। भारतीय टीम ग्रुप ई में तीन अंक के साथ चौथे स्थान पर है। वह विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुकी है लेकिन एशियाई कप में जगह बनाने की उसकी उम्मीदें बनी हुई हैं। भारत का पहला मैच मेजबान और एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ तीन जून को होगा। इसके बाद टीम सात जून को बांग्लादेश और 15 जून को अफगानिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम ने पिछली बार कतर का सामना उसकी धरती पर ही किया था। यह मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा था। थापा ने कहा कि यह 18 महीने पुरानी बात है। अब स्थिति भिन्न है लेकिन हम जानते हैं कि कतर इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हम जानते हैं कि हमें मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हम निराश नहीं होना चाहते हैं। हम यहां केवल संख्या बढ़ाने के लिये नहीं आये हैं। हमें अपनी क्षमताओं पर विश्वास है और हम एक समय पर एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं।

बांग्लादेश की टीम करेगी ऑस्ट्रेलिया का दौरा

ढाका (एजेंसी) :

ऑस्ट्रेलिया इस साल के अंत में बंगलादेश के दौरे पर कुल पांच टी-20 मुकाबले खेलेगा। शुरुआत में उसे तीन टी-20 मैच खेलने थे। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मूल कार्यक्रम के अनुसार पहले न्यूजीलैंड को तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए बंगलादेश का दौरा करना था और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा था, लेकिन यात्रा कार्यक्रम में बदलाव के चलते अब ऑस्ट्रेलियाई पहले दौरा करेगा और न्यूजीलैंड बाद में। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने वेस्ट इंडीज दौरे के समापन के बाद अगस्त की शुरुआत में बंगलादेश पहुंचेगी और इसके बाद न्यूजीलैंड की टीम यहां आएगी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड(बीसीबी) के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जैसा कि आप जानते ही होंगे कि ऑस्ट्रेलिया अपनी तीन मैचों की टी-20 सीरीज को पांच मैचों तक करने पर सहमत हो गया है। यह आठ-नौ दिनों तक चलेगी। हम टी-20 विश्व कप के लिए अच्छी तरह से तैयार होने की कोशिश कर रहे हैं। समझा जाता है कि न्यूजीलैंड भी बंगलादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में तीन के बजाय पांच मैच खेलेगा। बंगलादेश को टी-20 विश्व कप से पहले तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों के लिए इंग्लैंड की भी मेजबानी करनी है, हालांकि इस दौरे के विवरण अभी साझा किया जाना बाकी है। अकरम ने कहा कि बीसीबी एशिया कप के आधिकारिक रूप से स्थगित किए जाने के बाद जून की खाली खिड़की को अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से भरना नहीं चाहता है। बोर्ड इसके बजाय 31 मई से ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) की मेजबानी करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास काफी पैक शेड्यूल है। श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा सीरीज के बाद हमारे पास क्लब क्रिकेट होगा। हम जिम्बाब्वे जाएंगे और इसके बाद हमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी करनी है। हमें खिलाड़ियों के बायो-बबल और क्वारंटीन को भी ध्यान में रखना होगा। बहुत अधिक क्रिकेट खेलना हमेशा अच्छा नहीं होता है, इसलिए हमें इस सीरीज के बाद अपने कार्यक्रम के बारे में सोचना होगा।

कोहली के फुटबाल स्किल्स से प्रभावित हुए छेत्री, मांगा-सेशन फीस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के परफेक्ट फ्री किक से प्रभावित भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कोहली से पूछा है कि कोचिंग सेशन का फीस एक साथ दोगे और किस्तों में चुकाओगे। छेत्री ने कोहली द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो रि-ट्वीट करते हुए पूछा, सारे कोचिंग सेशन का एक ही बिल भेजूं या फिर आसान किश्तों में चुकाओगे चैंपियन। कोहली का फुटबाल प्रेम जग जाहिर है और उनके फैन भी उस समय हैरत में पड़ गए जब उन्होंने फ्री किक पर गोल करने का क्रॉसबार चैलेंज को स्वीकार किया। कोहली का यह चैलेंज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है 32 साल के कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह बायो बबल के दौरान फुटबाल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में कोहली को फ्री किक पर शॉट लगाते हुए देखा जा सकता है, हालांकि फ्री किक पर लगाया गया उनका यह शॉट क्रॉसबार से जा टकराया और वह गोल करने से चूक गए।भारतीय क्रिकेट कप्तान ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, एक्सीडेंटल क्रॉसबार चैलेंज। उन्होंने साथ ही हंसते हुए इमोजी भी पोस्ट किया है। कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने बुधवार को आईएएनएस से कहा, वह हमेशा एक अच्छे और प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खिलाड़ी थे। मुझे याद है कि जब हम अपनी अकादमी में अभ्यास से पहले वार्मअप करते थे, तो कोहली मैदान के चारों ओर दौड़ने के बजाय फुटबॉल को प्राथमिकता देते थे। भले ही यह वार्म-अप हुआ करता था, कोहली बेहद प्रतिस्पर्धी होंगे और कोशिश करेंगे और जीतेंगे।

कार की टक्कर ने बाइक सवार फुटबॉल के जैसे गिर गया

जामनगर ।

जामनगर में रविवार को भीषण दुर्घटना सामने आई है । इस घटना में सीसीटीवी फूटेज भी सामने आया है । जामनगर के वाल्केश्वरी नगर में स्थित रास्ते पर तेजी से आ रही कार ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया इस घटना की वजह से स्थानीय लोगों ने तुरंत दुर्घटना में घायल हुए युवक को उपचार के लिए जामनगर की जीजी. अस्पताल में भेजा गया और इस घटना के बाद और उपचार के लिए युवक को जामनगर से राजकोट भेजा गया ज हां इसकी हालत नाजुक होने की जानकारी मिली है । घटना का विडियो हाल में वायरल हो रहा है । प्रतिदिन कार लेकर भागते लोग का आतंक बढ़ रहा हो इस तरह जामनगर में भी पैसादार पार्टी की शख्स ने बाइक सवार को चपेट में लेने की घटना सामने आई है तब सौराष्ट्र में और एक बार जामनगर में आई घटनाओं का पुनरावर्तन हुआ है। जामनगर में इलेक्ट्रोनिक आइटम का शोरुम वाले व्यापारी की बेटी ने यह दुर्घटना करने की चर्चा हो रही है तब यह पूरे मामले पर पर्दा डालने के लिए काफी प्रयास हो रहा है लेकिन आज दिन तक इस मामले में कोई पुलिस शिकायत नहीं हुई है। लेकिन इस घटना को लेकर जामनगर शहर में दुर्घटना के बाद जोरशोर से चर्चा चल रही है और दुर्घटना करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाए ऐसी भी लोगों में भावना और मांग हो रही है जिसकी वजह से ऐसे मामले होने से रूके और युवाओं को होश आये इसके लिए पुलिस ने भी कानून का डंडा चलाना चाहिए यह बुद्धिजीवी वर्ग में चर्चा हो रही है। दुर्घटना के बाद कार में से उतरती एक युवती देखने को मिल रही है। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी पुलिस शिकायत के अभाव में सामने नहीं आई है । लेकिन जिस जगह पर यह दुर्घटना हुई थी इसके कुछ दूरी पर स्थित एक दुकान के सीसीटीवी विडियो में पूरा घटनाक्रम देखने को मिल रहा है । संकुचित गली में आती यह कार ने बाइक चालक को जोरदार टक्कर मारे यह भी देखा जा सकता है।

गुजरात में म्युकोरमाइकोसिस के लिए टास्कफोर्स का गठन

४५-६० वर्ष के मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा, महिलाओं की तुलना में पुरूषों में यह बीमारी का प्रमाण ज्यादा है

गांधीनगर ।

अहमदाबाद सहित राज्य में कोरोना की साइड इफेक्ट ऐसी म्युकोरमाइकोसिस के केस लगातार बढ़ रहे है। जिसकी वजह से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा एपेडेमिक एक्ट १८९७ के अनुसार यह बीमारी को एक महामारी के तौर पर घोषित किया गया है। गुजरात में भी यह महामारी काफी फैलने से राज्य सरकार ने म्युकोरमाइकोसिस के लिए ११ एक्सपर्ट -डॉक्टरों की टास्कफोर्स का गठन किया गया है। यह टास्कफोर्स द्वारा लगातार विचार-विमर्श करके उपचार के प्रोटोकोल और गाइडलाइन निश्चित की जाएगी । राज्य सरकार द्वारा म्युकोरमाइकोसिस के बीमारी के नियंत्रण के लिए बनाई गई टास्कफोर्स में डेंटल, इएनटी, ओप्थेल्मोलोजी, मेडिसीन विभाग के राज्य की विभिन्न अस्पताल तथा मेडिकल कॉलेजों के ११ एक्सपर्ट -डॉक्टरों को शामिल किया गया है । राज्यभर में म्युकोरमाइकोसिस के अभी तक में दर्ज हुए कुल मरीजों में से ८१.६ फीसदी मरीज हाल में राज्य की विभिन्न अस्पतालों में उपचार ले रहे हैं । जबकि १४.३ फीसदी मरीज ठीक हुए हैं तथा ४.१ फीसदी मरीजों की मौत हुई है । आयु वर्ग की दृष्टि से यह बीमारी के मरीजों में से सिर्फ ०.५ फीसदी मरीज १८ वर्ष से कम उम्र के, २८.४ फीसदी मरीज १८ से ४५ वर्ष की उम्र के, ४६.३ फीसदी और ४५ से ६० वर्ष की उम्र के और २४.९ फीसदी मरीज ६० से ज्यादा उम्र के है । महिलाओं की तुलना में पुरूषों में म्युकोरमाइकोसिस की बीमारी का प्रमाण ज्यादा देखने को मिला है और अभी तक दर्ज हुए कुल मरीजों में से ६७.१ फीसदी पुरूष जबकि ३२.९ फीसदी महिला मरीज है । यह बीमारी के सिर्फ ३३.५ फीसदी मरीजों को कोरोना के उपचार के दौरान ऑक्सीज न की जरूरत हुई थी । जबकि ६६.५ फीसदी मरीजों को ऑक्सीजन की ज रूरत नहीं हुई थी। इतना ही नहीं कुल मरीजों में से ५९ फीसदी मरीजों को मधुमेह, २२.१ फीसदी मरीजों को इम्युो कोम्प्रोमाइडज जबकि १५.२ फीसदी मरीजों को कोमोर्बिड कंडिशन होने का सामने आया है।

१० लाख डॉलर का लॉटरी टिकट लौटा परिवार ने बटोरी सुर्खियां

लॉटरी टिकट का व्यापार करने वाले इस परिवार ने एक महिला को लॉटरी का टिकट लौटाकर वाहवाही बटोरी है

अहमदाबाद ।

अमेरिका के मैसाचुसेट्स प्रांत में रहने वाले एक गुजराती परिवार की ईमानदारी की खूब प्रशंसा हो रही है । लॉटरी टिकट का व्यापार करने वाले इस परिवार ने एक महिला को १० लाख डॉलर (७ करोड़ रुपये) की लॉटरी का टिकट लौटाकर खूब वाहवाही बटोरी है।

मैसाचुसेट्स में लॉटरी टिकट का व्यापार करने वाले अभि शाह की अपनी दुकान पर पड़े लॉटरी के पुराने टिकटों पर नजर गई तो एक टिकट अधूरा स्क्रैच किया हुआ पड़ा नजर आया। अभि ने जब उसे उठाकर देखा और स्क्रैच करके नंबरों की जांच की तो उसे पता चला कि इस टिकट पर १० लाख डॉलर की लॉटरी लगी है। इस रकम को उठाकर वह पहले अपने लिए एक लग्जरी कार खरीदने का मन बनाने लगा । अभि ने जब यह बात अपने परिवार वालों को बताई तो उन्होंने अपनी नियमित ग्राहक ली रोज फिएगा को उसका टिकट लौटाने का निर्णय किया।

अपने इस फैसले को अमल में लाने में इस परिवार को इसके बावज ूद दो दिन लग गए। अभि बताते हैं कि करीब दो रातों तक वे ठीक से सो भी नहीं पाए, आखिर परिवार ने यह फैसला किया कि ली रोज को उसका टिकट लौटा दिया जाए। अभि ने उस महिला को बुलाकर जब यह टिकट लौटाया तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

दरअसल २ सप्ताह पहले लंच ब्रेक में वह महिला इनकी दुकान पर आई थी तथा जल्दबाजी में अपने लॉटरी टिकट को अधूरा स्क्रैच कर बेकार समझकर अभि की मां अरुणा शाह को यह टिकट देते हुए उसे फेंक देने को कहा । अरुणा ने दुकान के कॉर्नर में बेकार टिकटों के पास इस टिकट को भी फेंक दिया। करीब १० दिनों तक यह टिकट भी रद्दी टिकटों के साथ पड़ा रहा लेकिन जब अभि की नजर उस टिकट पर पड़ी तो उसने देखा कि टिकट को पूरी तरह स्क्रैच नहीं किया गया था। उसने वह टिकट उठाया तथा उसे स्क्रैच कर नंबर का मिलान उस कंपनी की लॉटरी के परिणाम से किया तो उसे पता चला कि यह टिकट ७ करोड़ की लॉटरी की रकम दिलाने वाला है। अभि बताते हैं कि पहले उसने इस रकम से अपने लिए एक महंगी कार खरीदने का विचार किया। इसके बाद जब उसने यह बात अपने परिवार को बताई तो परिवार ने यह फैसला किया कि ली रोज को उसका टिकट लौटा दिया जाए । इंटरनेट मीडिया पर जब इस घटना की चर्चा हुई तो लोग इस परिवार को बधाई देने लगे तथा इंटरव्यू के लिए उनके पास फोन कॉल भी आने लगे।

नर्सिंग स्टाफ को न्याय दिलाने मैदान में एनएसयूआई कार्यकर्ता

नर्सिंग स्टाफ सदस्यों को २०,००० रुपये वेतन के साथ भर्ती किया गया था : लेकिन सिर्फ १२ हजार मिल रहे है

राजकोट ।

कोरोना संकट के बीच खबर आ रही है कि राज्य के कई हिस्सों में नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं । राजकोट में भी सरकारी कोविड अस्पतालों में ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं । नर्सिंग स्टाफ के इस मांग की कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने समर्थन दिया है । मिल रही जानकारी के अनुसार कोरोना महामारी के दौरान ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ के ५०० से अधिक सदस्यों को २०,००० रुपये मासिक वेतन के साथ भर्ती किया गया था । लेकिन सिर्फ१२ हजार रुपये का भुगतान किया जा रहा है जिसकी वजह से नर्सिंग स्टाफ के लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

वेतन के मुद्दे पर नर्सिंग स्टाफ को इंसाफ दिलवाने के लिए एनएसयूआई के सदस्य राजकोट कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए पहुंचे थे। लेकिन राज्य सरकार के खिलाफ कलेक्टर ऑफिस के बाहर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी । मौके पर तैनात पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया । एनएसयूआई का आरोप है कि पहले भी नर्सिंग के छात्रों ने राज्य सरकार से वेतन बढ़ाने की मांग की जाती थी। बावजूद इसके राज कोट सिविल प्रशासन इन छात्रों को १२ हजार ही भुगतान किया जा रहा है। इतना ही नहीं कोराना के कठिन समय में छात्रों को काम करने का लालच भी दिया जा रहा है। भुगतान को लेकर नर्सिंग स्टाप को मूर्ख बनाया जा रहा है । इसलिए अब छात्रों को न्याय दिलाने के लिए एनएसयूआई ने उग्र आंदोलन का फैसला किया है।

दुष्कर्म करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

सूरत ।

सूरत में किशोरी पर दुष्कर्म करने वाले मौसा को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा मिली है। सलाबतपुरा क्षेत्र में मां पिता की मौत के बाद किशोरी मौसा के साथ रहती थी।

अब मौसा ने भांजी पर खराब इरादा रखकर इस पर दुष्कर्म किया । इसके बाद किशोरी ने बच्चे को जन्म दिया । डीएनए रिपोर्ट में आरोपी पीड़िता की बच्ची का पिता होने का सामने आया । अब सेशंस कोर्ट ने आरोपी मौसा को आजीवन कारावास की सजा देने पर आदेश दिया गया है । इसके साथ ही कोर्ट ने मानवता अपनाकर शिकार बनने वाली पीड़िता को १० लाख की सहायता और आरोपी को ७ हजार का जुर्माना लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सलाबतपुरा क्षेत्र में रहती किशोरी के पिता की मौत हुई थी । १४ वर्ष की किशोरी अपनी पेट भरने के लिए मज दूरी काम करती थी।

मां-पिता की मौत के कुछ समय के बाद इसका पेट बाहर आया । इसके चचेरे भाई ने सिविल अस्पताल में जांच करने पर वह गर्भवती होने का सामने आया। अब यह मामला पुलिस स्टेशन तक पहुंच गया।

किशोरी ने पुलिस पूछताछ में इसके पड़ोस में रहते मौसा का नाम दिया था। किशोरी की अकेलेपन का लाभ लेकर मौसा शैलेष राठोड ने इस पर बारबार दुष्कर्म किया । वह जबरदस्ती करके किशोरी पर अपनी हवस पूरा करता था । अब पुलिस ने हवसखोर मौसा की गिरफ्तार करके जांच शुरू कर दी । इसके बाद दुष्कर्म पीड़ित किशोरी ने कुछ समय में एक बच्ची को जन्म दिया । पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट निकालने पर मौसा ही बच्ची का पिता होने का सामने आया। तब डीएनए रिपोर्ट आ गया इसके बाद आज सूरत सेशंस कोर्ट में यह केस का फैसला आया था । सबूतों को ध्यान में लेकर कोर्ट द्वारा आरोपी शैलेष राठोड को आज ीवन कारावास की सजा और ७ हजार का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही शिकार बनने वाली पीड़ित किशोरी को १० लाख देने के लिए कहा गया था।

पहले जैसी परिस्थिति करने के सभी प्रयास चालू : पाटिल

उना ।

तौकते तूफान के प्रभाव को लेकर एक के बाद एक नेता उना तहसील के दौरे पर आ रहे हैं और उना के किसानों को हुई नुकसान की जानकारी लेकर आश्वासन दे रहे है । ऐसे में गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल भी उना-गीर गढडा के प्रभावित गांवों के दौरे पर थे । जिसमें प्रथम गीर गढडा के आंबाडा गांव की मुलाकात की । इसके बाद उना शहर के खारा क्षेत्र तथा उना के भाचा, गांगडा, सनखडा गांव की मुलाकात की । सभी गांवों में मुलाकात के समय पाटिल ने किसानों की बात सुनी। जिसमें किसानों ने तूफान की वजह से हुई नुकसान को लेकर पाटिल के सामने अपनी बात रखी । ज ल्दी से सर्वे करके योग्य सहायता शुरू की जाए ऐसी भी पेशकश की थी। हालांकि पाटिल ने किसानों को बताया कि, राज्य और केंद्र सरकार किसानों को मदद करने के लिए तैयार है। केंद्र सरकार १ हजार करोड़ की तत्काल प्रभाव से गुजरात को सहायता के लिए घोषणा की है । अब प्रधानमंत्री के बताये अनुसार केंद्र की टीम गुजरात सर्वे के लिए आएगी, अभी और मदद की जरूरत होगी तो केंद्र सरकार देगी। इसके अलावा सीआर पाटिल ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया है कि, यह गांवों में बिजली की समस्या है इसके लिए सौरभभाई पटेल रात दिन काम में लगे है । लोगों को उनके कामकाज से संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। बहुत जल्दी पहले थी ऐसी परिस्थिति करने के लिए सभी प्रयास चालू है। सांसद, राजेश चुडासमा के बताये अनुसार, गीर सोमनाथ जिले के गीर जंगल में रहते नेसडा सहित कई क्षेत्रों में घासचारा की कमी पैदा हुई है। अब जूनागढ़ गीर सोमनाथ के सांसद द्वारा मीडिया को बताया कि, घासचारा की कमी से निपटने के लिए मंत्री के साथ बातचीत हुई है और आज शाम तक में चारे की व्यवस्था हो जाएगी।

5 माह में 6 बार हुई युवक की सर्जरी, नहीं मिली ब्लैक फंगस से निजात

राजकोट।

गुजरात में भी ब्लैक फंगस के मामले बढ़ रहे हैं। इसी बीच राजकोट में ब्लैक फंगस का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने डॉक्टरों को चिंतित कर दिया है। गुजरात के राजकोट में विमल नामक युवक की पिछले 5 महीने में 6 बार ब्लैक फंगस की सर्जरी हो चुकी है, लेकिन अभी भी उसे इस बीमारी से निजात नहीं मिली है। अब उसके 7वें सर्जरी की तैयारी की जा रही है।×ठ्ठड्ढह्यश्च;विमल की पत्नी चांदनी ने कहा कि विमल अहमदाबाद में रहते थे, जहां उन्हें नवंबर में कोरोना हुआ था। कोरोना के इलाज के दौरान विमल को ऑक्सीजन और स्टेरॉयड दिया था। कोरोना को मात देने के बाद विमल को ब्लैक फंगस ने घेर लिया। सबसे पहले विमल की नाक में फंगस पाया गया, जिसकी सर्जरी हुई। उसके बाद आंख, कान और उसके आसपास भी सर्जरी कराई गई। अब फंगस का संक्रमण मस्तिष्क तक पहुंच गया है, जिसकी वजह से अब मस्तिष्क की न्यूरो सर्जरी करानी है। चांदनी ने बताया कि अब तक विमल को ब्लैक फंगस के खिलाफ दिए जाने वाले 39 इंजेक्शन भी लगाए जा चुके हैं।

पत्नी चांदनी ने बताया कि विमल के इलाज में घर की ज्यादातर जमा-पूंजी खत्म हो गई। यहां तक कि उन्हें अपना घर तक बेचना पड़ा। इलाज में अब तक करीब 41 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और अभी भी करीब 10 से 15 लाख रुपये की जरूरत है।

पत्नी ने पति के अश्लील फोटो वायरल कर दिये

पत्नी ने सोशल मीडिया पर ३ फर्जी अकाउंट बनाकर पति की अश्लील फोटोग्राफ के साथ मैसेज लिखकर पति को सेंड किया

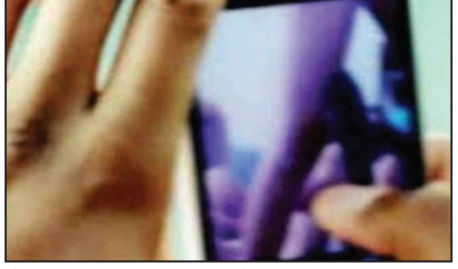

सूरत ।

सूरत के भटार रोड पर की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है । जि समें नाराज हुई पत्नी ने ऐसा काम किया कि पति कहीं भी मुंह दिखाने का लायक नहीं रहा। सिर्फ २९ वर्ष की पत्नी ने पति की अश्लील फोटो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया । यह मालूम होने के बाद पति भी आश्चर्यचकित हो गया । मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के भटार रोड पर रहते अमित (नाम बदला हुआ है) की उम्र ३० वर्ष है। यह रिंगरोड मार्केट में कपड़े का धंधा है । पांच वर्ष पहले इसकी शादी रिंकू खत्री नाम की युवती के साथ हुआ था ।

शादी के कुछ समय के बाद दोनों के बीच मतभेद चल रहा था । जिसकी वजह से दोनों के बीच लगातार झगड़ा चल रहा था । इसी वजह से रिंकू तीन वर्ष से माइके में रहती थी । लगातार झगड़े की वजह से वैवाहिक जीवन तलाक तक पहुंच गया था। लेकिन इस बीच रिंकू ने अपना गुस्सा व्यक्त करने के लिए और पति को सबक सिखाने के लिए इसकी अश्लील फोटोग्राफ सोशल मीडिया में वायरल किया । पत्नी ने सोशल मीडिया पर ३ फज ीं अकाउंट बनाकर पति की अश्लील फोटोग्राफ के साथ मैसेज लिखकर पति को सेंड किया। पति फोटोग्राफ और मैसेज देखकर आश्चर्य में पड़ गया। अब इसने इस मामले में साइबर क्राइम में शिकायत की तब पत्नी के खिलाफ आशंका व्यक्त की थी । साइबर क्राइम की जांच में सामने आया कि, तीन फर्जी अकाउंट दूसरे के नाम पर बनाया था । जि समें राजा नाम से अकाउंट बनाकर पति की फोटोग्राफ और मैसेज खुद पति को भेजा था।

इसी तरीके से दीक्षित और हितांश नाम से फज ीं अकाउंट बनाकर मैसेज और फोटोग्राफ व्यापारी को भेजा । अश्लील फोटोग्राफ व्यापारी को भेजकर इसे सोशल मीडिया पर भेज देने की धमकी दी थी।

सौराष्ट्र के तूफान प्रभावित इलाकों में एएपी ने राशन की किट भेजीं

अहमदाबाद ।

आम आदमी पार्टी ने गुजरात के लोगों का विश्वास जीतने का काम शुरू कर दिया है। मंगलवार को आप ने सौराष्ट्र के तूफान प्रभावित इलाकों में ८०० राशन किट भेजीं । इससे पहले सूरत में नगर निगम के भूखंड बैचने के फैसले का विरोध किया था। अब पार्टी उन नागरिकों की मदद के लिए आगे आई है जो चक्रवात के कारण पीड़ति हैं।

सौराष्ट्र के कुछ जिलों के कुछ गांवों में अभी भी कम से कम १५ दिनों तक बिज ली आने की संभावना नहीं के बराबर है। आम आदमी पार्टी अहमदाबाद ने सौराष्ट्र में तूफान से प्रभावित लोगों की मदद के लिए लगभग ८०० राशन किट जिसमें खाना और नास्ते के साथ एक हजार से ज्यादा पानी की बोतलें भेजी हैं । मिल रही जानकारी के अनुसार इस अनाज किट को ऊना और उसके आसपास के प्रभावित गांवों में वितरित किया जाएगा। जिससे करीब ८०० परिवारों को मदद मिल सकेगी । किट की पैकिंग गोपालनगर, सिनेप्राइड सिनेमा के पास कृष्णानगर अहमदाबाद में तैयार किया गया है । एक किट में आटा — ५ किलो, मग — २ किलो, मिक्स दाल-चावल-२ किलो, तेल — १ लीटर, नमक — १ किलो, मिर्च-३०० ग्राम, जीरा-२०० ग्राम, हल्दी -२०० ग्राम, गरम मसाला — २०० ग्राम, माचिस- १ पैकेट, चाय की पैकेट, चीनी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)